राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

समय दर्शन

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

वर्ष 14, अंक 271 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये | दुर्ग, सोमवार 04 अगस्त 2025 | www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

एयरपोर्ट पर भड़का सेना का अधिकारी, स्पाइसजेट के 4 कर्मियों को बेरहमी से पीटा; रीढ़ की हड्डी तक टूटी

श्रीनगर। श्रीनगर हवाई अड्डे पर स्पाइसजेट के चार कर्मचारियों के साथ एक यात्री द्वारा बेरहमी से मारपीट करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। एयरलाइन का आरोप है कि यात्री, जो एक वरिष्ठ सैन्य अधिकारी बताया जा रहा है, ने अतिरिक्त सामान का शुल्क मांगने पर कर्मचारियों को लात-घूंसों और क्यू-स्टैंड से पीटा, जिससे एक कर्मचारी की रीढ़ की हड्डी टूट गई और दूसरा बेहोश हो गया। एयरलाइन ने यात्री को 'नो-फ्लाई' सूची में डालने की प्रक्रिया शुरू कर दी है और स्थानीय पुलिस में एफआईआर भी दर्ज कराई है। स्पाइसजेट के प्रवक्ता के अनुसार, यह घटना 26 जुलाई को श्रीनगर से दिल्ली जाने वाली फ्लाइट स्ग-386 के बोर्डिंग गेट पर हुई। यात्री के पास दो केबिन बैगेज थे, जिनका कुल वजन 16 किलोग्राम था, जो 7 किलोग्राम की अनुमत सीमा से दोगुने से भी अधिक था। जब ग्राउंड स्टाफ ने विनम्रता से उन्हें अतिरिक्त सामान के लिए लागू शुल्क का भुगतान करने के लिए कहा, तो यात्री ने इनकार कर दिया और बोर्डिंग प्रक्रिया पूरी किए बिना जबरदस्ती एयरोब्रिज में घुस गया। इसके बाद सीआईएसएफ के एक अधिकारी ने यात्री को वापस गेट पर पहुंचाया। प्रवक्ता के मुताबिक, गेट पर वापस आने पर यात्री और भी आक्रामक हो गया और उसने स्पाइसजेट के चार कर्मचारियों पर हमला कर दिया। प्रवक्ता ने आरोप लगाया, यात्री ने कर्मचारियों को बेरहमी से पीटा। जब एक कर्मचारी अपने बेहोश हो चुके साथी की मदद के लिए नीचे झुका, तो उसके जबड़े पर जोरदार लात मारी गई, जिससे उसके नाक और मुंह से खून बहने लगा। घायल कर्मचारियों को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज जारी है।

लोकसभा चुनाव में धांधली के आरोपों के बीच 'इंडिया' की अहम बैठक, 7 को राहुल गांधी के घर डिनर पर बनेगी रणनीति

नई दिल्ली। विपक्षी दलों के गठबंधन 'इंडिया' (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस) की अगली महत्वपूर्ण बैठक 7 अगस्त को कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के आवास पर होगी। सूत्रों के मुताबिक, यह बैठक डिनर पर आयोजित की जाएगी, जिसमें कई अहम मुद्दों पर चर्चा और आगे की रणनीति तैयार की जाएगी। यह बैठक राहुल गांधी के उस हालिया आरोप के बाद हो रही है, जिसमें उन्होंने 2024 के लोकसभा चुनावों में लगभग 70-80 सीटों पर धांधली का दावा किया था। सूत्रों के अनुसार, बैठक में चर्चा के लिए कई प्रमुख मुद्दे रखे गए हैं। इनमें राहुल गांधी द्वारा उठाए गए चुनावी धांधली के आरोप के अलावा बिहार में चल रही विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया, महाराष्ट्र में फर्जी वोटर जोड़े जाने के आरोप, 'ऑपरेशन सिंदूर', भारत-अमेरिका व्यापार समझौता और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से संभावित टैरिफ (शुल्क) की धमकियां शामिल हैं। इससे पहले 'इंडिया' गठबंधन की बैठक 19 जुलाई को वर्चुअल माध्यम से हुई थी, जिसमें 24 से अधिक दलों के नेता शामिल हुए थे। इनमें एनसीपी-एसपी प्रमुख शरद पवार, आरजेडी नेता तेजस्वी यादव, नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला, झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन और शिवसेना यूबीटी प्रमुख उद्धव ठाकरे जैसे कई दिग्गज मौजूद थे।

प्रधानमंत्री की विशेष पहल से बस्तर समेत प्रदेश भर में रेल सेवाओं का बढ़ा दायरा : मुख्यमंत्री साय

रायपुर-जबलपुर नई एक्सप्रेस ट्रेन सेवा का हुआ भव्य शुभारंभ

मुयमंत्री और विधानसभा अध्यक्ष ने रायपुर-जबलपुर नई रेलसेवा को दिखाई हरी झंडी

रायपुर से जबलपुर तक का आरामदायक सफर 08 घंटे में होगा पूरा

रायपुर (समय दर्शन)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह ने राजधानी रायपुर रेलवे स्टेशन से रायपुर-जबलपुर नई एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और नई सेवा के लिए प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दी। शुभारंभ के खास मौके पर गुजरात के भावनगर में आयोजित मुख्य समारोह से केंद्रीय मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव और मनसुख मांडविया तथा मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव वर्चुअली उपस्थित रहे। मुख्य समारोह में रीवा-पुणे (हड़पसर) एक्सप्रेस एवं भावनगर टर्मिनस-अयोध्या एक्सप्रेस का भी रीवा एवं भावनगर से शुभारंभ किया गया।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव की विशेष पहल से आज तीन नई ट्रेन सेवाओं का शुभारंभ हुआ है और इसमें छत्तीसगढ़ को भी रायपुर-जबलपुर नई ट्रेन सेवा की बड़ी सौगात मिली है। उन्होंने नई रेल सेवा के लिए प्रदेश की 3 करोड़ जनता की ओर से प्रधानमंत्री और रेल मंत्री का आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले एक दशक में छत्तीसगढ़ का रेल का बजट 21 गुना बढ़ा है और इस साल 6 हजार 900 करोड़ की राशि मिली है। श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में 47 हजार करोड़ रुपए से अधिक की रेल परियोजनाएं संचालित है, जो छत्तीसगढ़ में रेलवे नेटवर्क और यात्री सुविधाओं को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत छत्तीसगढ़ के 32 रेलवे स्टेशनों को 680 करोड़ की लागत से सर्वसुविधायुक्त बनाने के साथ ही पूरा कायाकल्प जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा बस्तर क्षेत्र नक्सलवाद से पीड़ित और वहां भी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने नई रेल परियोजनाओं की सौगात दी है। रावघाट-जगदलपुर रेल परियोजना सहित अन्य महत्वपूर्ण रेल परियोजनाएं भी हमारे छत्तीसगढ़ को मिली है, इसके लिए भी उन्होंने विशेष रूप से आभार जताया। श्री साय ने कहा कि रायपुर से जबलपुर के लिए वैकल्पिक रेल सेवा मिलने से पर्यटन, शैक्षणिक गतिविधियों के साथ ही व्यापार को बढ़ावा मिलेगा।

नई रेल सेवा मिलने से छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश के आस्था और पर्यटन के प्रमुख केंद्र जैसे मां बमलेश्वरी की भूमि डोंगरगढ़ और भेड़ाघाट सीधे इन बड़े शहरों से जुड़ पाएंगे।

विवाद के बीच चुनाव आयोग ने तेजस्वी से मांगा जवाब; पूछा- जो EPIC दिखाया, वह कहां से आया?

पटना(एजेंसी)। मतदाता पुनरीक्षण कार्य और नए वोटर लिस्ट को लेकर लगातार केंद्र सरकार और चुनाव आयोग पर हमलावर रहे तेजस्वी यादव खुद सवालों के घेरे में आ गए हैं।

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के नेता शनिवार से ही तेजस्वी यादव पर हमला बोल रही है। उन पर मतदाता पहचान पत्र घोटाला का आरोप लगा रही है। अब चुनाव आयोग ने नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव को नोटिस भेज दिया है। उनसे सवाल पूछा कि दो-दो EPIC नंबर आपने कहां से लाया? इसलिए आप अपने श्क्क्ढ्ढष्ट कार्ड का विवरण मूल प्रति सहित आयोग को उपलब्ध कराएं।

चुनाव आयोग ने लेटर जारी कर कहा कि दो अगस्त को आयोजित प्रेस वार्ता में आपके द्वारा आपका नाम प्रारूप मतदाता सूची में अंकित नहीं होने की बात बतायी गयी। जांचोपरांत यह पाया गया कि आपका नाम मतदान केन्द्र संख्या 204 (बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय का पुस्तकालय भवन) के क्रम संख्या 416 पर अंकित है।

गोंडा में बोलेरो नहर में गिरी, 11 की मौत, एक परिवार के 9 लोग

गोंडा (एजेंसी)। यूपी के गोंडा में रविवार सुबह 10 बजे तेज रफ्तार बोलेरो बेकाबू होकर सरयू नहर में गिर गई। हादसे में 11 लोगों की मौत हो गई। इनमें 3 भाइयों के परिवार के 9 लोग थे, जबकि 2 लोग पड़ोसी परिवार के थे। छोटे भाई का पूरा परिवार खत्म हो गया। ड्राइवर समेत 4 लोग बच गए। अभी 10 साल की बच्ची लापता है। एनडीआरएफ टीम उसकी तलाश में जुटी है।

बोलेरो सवार 16 लोग जल चढ़ाने पृथ्वीनाथ मंदिर जा रहे थे। सभी गोंडा के मोतीगंज थाना के सीहा गांव के रहने वाले थे। हादसा इतना भयावह था कि गाड़ी नहर के गिरने के बाद एक भी शख्स बाहर नहीं निकल पाया। बारिश के चलते नहर में लबालब पानी भरा है। नहर में गिरते ही गाड़ी पूरी तरह से डूब गई। उसके गेट लॉक हो गए। अंदर बैठे लोग छटपटाते रहे और तड़प-तड़पकर उनकी मौत हो गई।

गाड़ी नहर के किनारे बनी सड़क से निकल रही थी। नहर क्रॉस करके जाना था। पुलिया के पास अचानक ड्राइवर ने ब्रेक मारा। तेज स्पीड और बारिश होने की वजह से गाड़ी बेकाबू होकर नहर में गिरने लगी।

इस पर ड्राइवर गेट खोलकर कूद गया। आगे की सीट में बैठे 2 लोग भी बाहर आ गए। बच्ची पिंकी बीच में खड़ी थी। झटके से वह भी ड्राइवर साइड के गेट से बाहर आ गई। इसके बाद बोलरो नहर में गिर गई।

जहां हादसा हुआ, वहां आसपास ग्रामीण थे। बोलेरो नहर में गिरती देख वो लोग बचाने के लिए पानी में कूद गए, लेकिन गेट नहीं खोल पाए। रस्सी बांधकर बोलेरो को किनारे तक लाए, तब जाकर गाड़ी का कुछ हिस्सा बाहर आया। बमुश्किल खिड़की का शीशा तोड़कर एक-एक को बाहर निकाला। तब तक सभी की मौत हो चुकी थी।

हादसे के बाद के कई वीडियो सामने आए हैं। इसमें सड़क पर 11 लाशें पड़ी हैं। पानी में डूबी बोलेरो का ईंट से शीशा तोड़ते हुए युवक नजर आ रहे हैं। पुलिस के मुताबिक, हादसे के वक्त कार की स्पीड 60 किमी प्रति घंटे थी।

संसद में एसआईआर पर चर्चा की मांग: विपक्ष के विरोध-हंगामे से गतिरोध, अब विधायी एजेंडा आगे बढ़ाने की ताक में सरकार

एसआईआर चुनाव आयोग का प्रशासनिक कार्य- सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। मानसून सत्र के दौरान संसद में लगातार गतिरोध के बीच केंद्र सरकार सोमवार को लोकसभा में दो अहम विधेयकों- राष्ट्रीय खेल संचालन विधेयक और राष्ट्रीय एंटी-डोपिंग (संशोधन) विधेयक - को पारित कराने की कोशिश कर सकती है। विपक्ष की तरफसे बिहार में चल रही विशेष मतदाता सूची पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया पर चर्चा की मांग को सरकार की ओर से मंजूरी नहीं मिलने के कारण संसद में हंगामा जारी है। इस मुद्दे पर संसद की कार्यवाही बार-बार स्थगित हो रही है।

विपक्षी दलों का आरोप है कि निर्वाचन आयोग (ईसी) की यह प्रक्रिया विपक्ष समर्थक मतदाताओं के नाम सूची से हटाने और एनडीए (भाजपा गठबंधन) के पक्ष में चुनावी फायदा पहुंचाने के लिए की जा रही है। वहीं, निर्वाचन आयोग का कहना है कि यह प्रक्रिया देशभर में लागू की जाएगी ताकि केवल योग्य मतदाता ही वोट डाल सकें और मतदाता सूची की विश्वसनीयता बनी रहे। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने इसे 'वोट चोरी' करार दिया है। ईसी ने शनिवार को उनके आरोपों को बेबुनियाद, बिना सबूत और भ्रामक बताया।

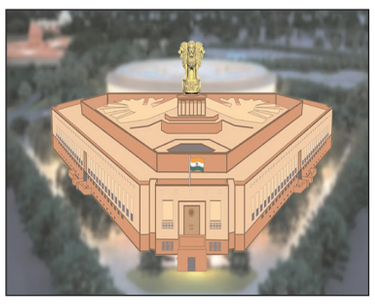

संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने कहा है कि एसआईआर चुनाव आयोग का प्रशासनिक कार्य है और संविधान के मुताबिक, संसद को ईसी की कार्यप्रणाली पर चर्चा करने का अधिकार नहीं है। उन्होंने पूर्व लोकसभा अध्यक्ष बलराम जाखड़ का हवाला देते हुए कहा कि संवैधानिक संस्थाओं की कार्यप्रणाली पर संसद में बहस नहीं हो सकती। रिजिजू ने कहा, 'अगर संसद में चर्चा होती है तो आमतौर पर संबंधित मंत्री जवाब देते हैं। लेकिन ईसी एक स्वायत्त संवैधानिक संस्था है, उसका कोई मंत्री नहीं होता।'

विधायी एजेंडा पर सरकार का फोकस

इस बीच, लोकसभा में 'राष्ट्रीय खेल संचालन विधेयक' लाया गया है, जिसका उद्देश्य देश में खेल संगठनों की कार्यप्रणाली में पारदर्शिता और जवाबदेही लाना है। इसके अलावा राष्ट्रीय एंटी-डोपिंग (संशोधन) विधेयक भी सूचीबद्ध है, जो खेलों में डोपिंग रोकने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। राज्यसभा में भी सोमवार को गृह मंत्री अमित शाह की ओर से मणिपुर में राष्ट्रपति शासन को 13 अगस्त से अगले 6 महीनों तक बढ़ाने का प्रस्ताव चर्चा के लिए रखा गया है।

संसद का अब तक का हाल

21 जुलाई से शुरू हुए मानसून सत्र में अब तक संसद की कार्यवाही लगभग ठप रही है। केवल पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर जैसे मुद्दों पर ही दोनों सदनों में दो दिन तक चर्चा हो सकी। सरकार के एक वरिष्ठ सूत्र के मुताबिक, अगर विपक्ष का विरोध जारी रहता है तो सरकार हंगामे के बीच ही विधेयकों को पारित कराने की दिशा में आगे बढ़ेगी।

खालिस्तानी आतंकियों पर विदेशी धरती पर भी कसेगा शिकंजा, सरकार ने तैयार किया एक्शन प्लान

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार अब विदेशों में पनाह लिए बैठे खालिस्तानी आतंकियों और उनसे जुड़े गैंगस्टरों के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई की तैयारी में है। खुफिया एजेंसियों के साथ मिलकर विदेश मंत्रालय (रूश्व) जल्द ही अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया समेत कई यूरोपीय देशों को औपचारिक तौर पर सूचित करेगा कि भारत के कई वांछित खालिस्तानी आतंकी इन देशों में फर्जी पासपोर्ट और नकली पहचान पत्रों के सहारे छिपे हुए हैं।

सरकार अब इन देशों पर आतंकियों को भारत को सौंपने के लिए कूटनीतिक दबाव बनाएगी। इस रणनीति के तहत उन भगोड़ों को निशाना बनाया जाएगा जो भारतीय कानून से बचने के लिए नकली दस्तावेजों का इस्तेमाल कर विदेश भागे हैं। यह मुद्दा हाल ही में दिल्ली में आयोजित इंटेलिजेंस ब्यूरो (ढ्ढक्च) की दो दिवसीय राष्ट्रीय सुरक्षा कॉन्फ्रेंस में भी प्रमुखता से उठा था। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सभी राज्यों की पुलिस और केंद्रीय एजेंसियों को स्पष्ट निर्देश दिया था कि वे ऐसे खालिस्तानी आतंकियों और गैंगस्टरों की एक विस्तृत सूची तैयार करें, जिन्होंने नकली दस्तावेजों के आधार पर विदेशों में शरण ले रखी है।

पिछले कुछ वर्षों में ऐसे कई मामले सामने आए हैं, जहां खालिस्तानी तत्वों ने फर्जी पहचान पर दूसरे देशों की यात्रा की। इसका एक बड़ा उदाहरण खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर था, जिसकी जून 2023 में कनाडा के सरी में हत्या कर दी गई थी। जांच में सामने आया था कि निज्जर ने 1997 में 'रवि शर्मा' के नाम से फर्जी पासपोर्ट पर कनाडा की यात्रा की थी। इसी तरह, इसी साल मार्च में उत्तर प्रदेश पुलिस ने बब्बर खालसा इंटरनेशनल (क्चद्मढ्ढ) से जुड़े आतंकी लाजर मसीह को गिरफ्तार किया था, जो दिल्ली के एक गैंग से फर्जी पासपोर्ट बनवाकर विदेश भागने की फिराक में था। इससे पहले फरवरी 2025 में, यूपी एटीएस ने पीलीभीत में एक ऐसे नेटवर्क का भंडाफोड़ किया था, जो खालिस्तानी समर्थकों के लिए फर्जी वीजा और दस्तावेज तैयार करता था।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि आईबी कॉन्फ्रेंस के बाद अब गृह मंत्रालय और विदेश मंत्रालय मिलकर इस योजना पर औपचारिक कार्रवाई करेंगे। सरकार का अगला कदम हर वांछित आतंकी और गैंगस्टर के खिलाफ पुख्ता सबूत जुटाना है, जिससे यह साबित किया जा सके कि उन्होंने फर्जी दस्तावेजों के आधार पर वीजा या शरण हासिल की है।

पूर्व सरपंच कर्ज में डूबे, 21 पंचायतों में संकट गहराया

प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना में 1.97 करोड़ का भुगतान अटका

सारंगढ़-बिलाईगढ़ (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना के अंतर्गत विकासखंड बिलाईगढ़ की 21 ग्राम पंचायतों में वर्ष 2021-22 एवं 2022-23 के दौरान स्वीकृत 89 विकास कार्य पूर्ण किए जा चुके हैं। लेकिन 18 महीनों के बाद भी इन कार्यों की अंतिम किश्त का भुगतान नहीं हो पाया है।

कुल लंबित राशि 1, 97, 52, 009. 00 है, जिससे पूर्व सरपंचों पर भारी कर्ज का बोझ आ गया है। पंचायतें आर्थिक संकट से जूझ रही हैं, और जनप्रतिनिधियों में भारी असंतोष व्याप्त है।

समय पर कार्य, लेकिन भुगतान अधर में

पूर्व सरपंचों ने बताया कि सभी

कार्यों को समय पर पूरा कर जनपद पंचायत बिलाईगढ़ द्वारा आवश्यक दस्तावेज सारंगढ़ कार्यालय को भेज दिए गए थे। कई बार पत्राचार, मौखिक आग्रह और विभागीय फॉलोअप के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

दस्तावेज पूरे, पर बजट का संकट

विभागीय पत्र क्रमांक 4044/PMAGY/आ.वि./2024-25 दिनांक 17.03.2025 एवं टीएल आवेदन दिनांक 02.06.2025 के अनुसार सभी आवश्यक दस्तावेज समय पर विभाग को सौंपे जा चुके हैं। हालांकि, विभागीय सूत्रों ने स्पष्ट किया कि बजट की अनुपलब्धता के कारण भुगतान रुका हुआ है। यह बयान पूर्व सरपंचों की आशाओं पर पानी फेरने जैसा है।

पूर्व सरपंचों की पीड़ा

पूर्व सरपंचों ने एक सामूहिक बयान में कहा

हमने ईमानदारी और समर्पण के साथ काम किया। दस्तावेज पूरे हैं, कार्य समय पर पूरे हुए। फिर भी 18 महीनों से हमें भुगतान नहीं मिला। अब हम निजी कर्ज में डूब चुके हैं।

पंचायतवार लंबित भुगतान सूची

क्र.	ग्राम पंचायत	कार्यों की संख्या	लंबित राशि (रू.)
1	डोटो	4	9,50,000.00
2	भोथाडीह	3	5,00,000.00
3	भिनोदा	5	8,50,000.00
4	छपोरा	4	12,00,000.00
5	बछौरडीह	3	7,50,000.00
6	धौराभांठा घो	2	3,40,434.00
7	तिलाईपाली	7	18,87,965.00
8	जोरापाली	8	19,54,875.00
9	रमतला	4	7,67,652.00
10	मुच्छमल्दा	3	9,31,000.00
11	पीपरडुला	10	16,65,644.00
12	गगोरीटाडा	2	5,00,000.00
13	टाडापारा	4	11,00,000.00
14	बगलोटा	5	13,48,597.00
15	केडियारवार	1	61,743.00
16	करबाडबरी	1	3,85,571.00
17	पिकरीपाली	4	9,50,000.00
18	कोदवा	4	10,67,902.00
19	जोगेसरा	7	11,92,000.00
20	कोट	2	5,11,000.00
21	गदहाभांठा	5	8,37,626.00
कुल 89 कार्य		-	1,97,52,009.00 रूपए

हमारी गुहार है कि ?1.97 करोड़ की लंबित राशि शीघ्र जारी की जाए।

परिणाम और संभावित प्रभाव

यदि शीघ्र राशि जारी नहीं की गई, तो—ग्राम पंचायतों का मनोबल कमजोर होगा भविष्य में योजनाओं की क्रियान्वयन में भागीदारी कम होगी स्थानीय प्रतिनिधियों में शासन के प्रति अविश्वास बढ़ेगा

सुझाव और मांगें

शासन तत्काल बजट जारी कर लंबित राशि का भुगतान सुनिश्चित करे। संबंधित विभागों को समयसीमा में कार्य सत्यापन और निपटान की जिम्मेदारी दी जाए। पूर्व सरपंचों की शिकायतें जनसुनवाई पोर्टल में दर्ज कर त्वरित समाधान हो।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के घर को बम से उड़ाने की धमकी, पुलिस विभाग में हड़कंप

नागपुर (एजेंसी)। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के नागपुर स्थित आवास को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया। रविवार सुबह पुलिस कंट्रोल रूम को यह धमकी भरा फोन आया, जिसके बाद पुलिस तुरंत हरकत में आई। हालांकि, कुछ ही घंटों की मशक्कत के बाद पुलिस ने धमकी देने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, रविवार सुबह 8 बजकर 46 मिनट पर पुलिस कंट्रोल रूम के आपातकालीन नंबर 112 पर एक अज्ञात व्यक्ति ने फोन कर नितिन गडकरी के घर को बम से उड़ाने की धमकी दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए कंट्रोल रूम ने तत्काल स्थानीय प्रतापनगर पुलिस थाने को सूचित किया।

सूचना मिलते ही पुलिस की टीमें, बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वायड के साथ नितिन गडकरी के आवास पर पहुंचीं। पुलिस ने पूरे घर और आसपास के इलाके में सघन तलाशी अभियान चलाया और सुरक्षा बढ़ा दी। राहत की बात यह है कि तलाशी में कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिली।

पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर फोन करने वाले की लोकेशन ट्रेस करना शुरू कर दिया। कुछ ही घंटों के भीतर पुलिस ने आरोपी को नागपुर के बीमा दवाखाना के पास से गिरफ्तार कर लिया।

संक्षिप्त समाचार

सौरव अग्रवाल विश्व हिन्दू परिषद राजिम विभाग के मंत्री बनाये गये

महासमुन्द(समय दर्शन)। विश्व हिन्दू परिषद द्वारा सनातन हिन्दू धर्म मे ऊर्जा और नई जागृति व धर्म रक्षार्थ के निमित्त बिलासपुर मे सम्पन्न, छत्तीसगढ़ प्रांत स्तरीय तीन दिवसीय कार्यशाला में संगठन का नवीन विस्तार किया गया। विश्व हिंदू परिषद का प्रांत स्तरीय बैठक बिलासपुर में आयोजित किया गया। कार्यशाला मे राजीम विभाग में नए दायित्वो का घोषणा हुआ। जिसमे विश्व हिन्दू परिषद महासमुन्द के पूर्व जिलाध्यक्ष सौरव अग्रवाल को राजिम विभाग का विभाग मंत्री बनाया गया है।

इसी तारतम्य में महासमुंद जिला उपाध्यक्ष रमाकांति दास, जिला सह मंत्री मनीष चंद्राकर, जिला संयोजक गितेश पंडा,जिला सह मंत्री गिरीश चक्रधारी, जिला सहसंयोजक विजय शर्मा ,जिला संयोजिका मातृशक्ति अनीता चौधरी, दुर्गा वाहिनी जिला संयोजिका दामिनी पटेल, जिला सह संयोजिका ललिता सिदार को नवीन दायित्व दिया गया है। विश्व हिन्दू परिषद के स्वयं सेवकों मे इस नव दायित्व एवं संगठन विस्तार के पद सोपान मे सक्रिय भूमिका निभाने वाले स्वयं सेवकों को दायित्व मिलने से महासमुन्द जिला अंतर्गत बसना, सरायपाली, पिथौरा, बागबाहरा, राजिम, फिंगेश्वर ,चम्पारण , तुमगाँव, सिरपुर क्षेत्र के स्वयं सेवकों मे उत्साह का वातावरण है। स्वयं सेवकों ने ऊर्जा के साथ पूरे टीम का अभिनंदन करते हुए नए दायित्व वान कार्यकर्ताओ से संगठन को एक नई दिशा एवं गति मिलने की आशा और विश्वास है। स्वयं सेवकों ने सभी नव दायित्ववान पदाधिकारियों को शुभ मंगल कामना एवं बधाई प्रेषित किया है। प्रांत बैठक में प्रान्त पदाधिकारी उत्तम वर्मा जिला अध्यक्ष हर्षवर्धन चंद्राकर ,जिला मंत्री बसंत देवता के साथ अनेक स्वयंसेवक उपस्थित हुए।

नगर निगम में सेवानिवृत्त कर्मचारियों का विदाई समारोह, मेयर व कमिश्नर ने रिटायर्ड अधिकारी/ कर्मचारियों का किया सम्मान,भावुक पल दी विदाई

दुर्ग (समय दर्शन)। नगर पालिक निगम में 62 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले एक अधिकारी एवं 2 कर्मचारियों को स-सम्मान बिदाई दी गई। निगम मुख्य कार्यालय सभागार में आयोजित बिदाई समारोह में महापौर श्रीमती अलका बाघमार एवं आयुक्त सुमित अग्रवाल ने कार्यपालान अभियंता वीपी मिश्रा, लिपिक कोमल व सफाई कर्मी श्रीमती रेणुका को निगम प्रशासन की ओर से स्मृति चिन्ह, शॉल और श्रीफल भेंट करते हुए प्रशस्ति पत्र प्रदान किये।

महापौर श्रीमती अलका बाघमार एवं निगम आयुक्त सुमित अग्रवाल ने सभी सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों की अच्छे स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना करते हुए शुभकामनाएं दिए। साथ ही निगम हित में किए गए उनके सराहनीय कार्यों को याद किये। दुर्ग निगम के यूनियन पदाधिकारियों ने सेवानिवृत कर्मचारियों के प्रति अपने उदगार व्यक्त किए। कर्मचारियों ने अपने सेवाकाल अवधि को सबके समक्ष साझा करते हुए शासन एवं निगम प्रशासन को धन्यवाद ज्ञापित किए।

बिदाई कार्यक्रम में एमआईसी सदस्य काशीराम कोसरे, मनीष साहू, हर्षिका जैन,पार्षद मनीषा सोनी,लुकेश्वरी ठाकुर,रेशमा सोनकर,पायल पाटिल, प्रतिभा गुप्ता,नीरा खिचारिया,शिवेंद्र परिहार, प्रमोद पाटिल,अनिल सिंह, संजय मिश्रा, शशिकांत यादव, ईश्वर वर्मा,कार्यपालन अभियंता दिनेश नेताम, आर के जैन, गिरीश दिवान सहित अधिकारी/कर्मचारी मौजूद रहे !उपस्थित कर्मचारियो को स्वास्थ्य अधिकारी धमेंद्र मिश्रा ने आभार व्यक्त किए।

झूले का लिया आनंद, सफलता के लिए महापौर अलका बाघमार सहित निगम की सराहना

रिमझिम सावन मेला के समापन में सीएम की धर्मपत्नी कौशल्या देवी साय एवं श्रीमती रजनी बघेल हुई शामिल

दुर्ग की संस्कृति का उत्सव बना सावन मेला, विजेता कलाकारों को मिला सम्मान

दुर्ग (समय दर्शन)। नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा आयोजित रिमझिम सावन मेला 2025 का भव्य समापन समारोह रविवार को केवल भवन, स्टेशन रोड स्थित परिसर में बड़ी धूमधाम और सांस्कृतिक गरिमा के साथ सम्पन्न हुआ। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की धर्मपत्नी और वरिष्ठ समाजसेविका श्रीमती कौशल्या देवी साय उपस्थित रहीं, वहीं महापौर अलका बाघमार, रजनी बघेल, गौरी सुरेंद्र कौशिक नगर निगम की कार्यक्रम के प्रभारी हर्षिका संभव जैन मंचासीन रहे।

समापन समारोह में हजारों की संख्या में नागरिकों ने भाग लिया। मंच पर एक के बाद एक मनमोहक प्रस्तुतियों ने लोगों को झूमने पर मजबूर कर दिया। लोकनृत्य, भजन, समूह गायन, स्किट और नारीशक्ति पर आधारित प्रस्तुति विशेष आकर्षण रही। नगर निगम की पर्यटन संस्कृति विभाग व महिला बाल विकास विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय सावन मेला का आज रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ समापन हुआ जिसमे बतौर मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश के मुख्यमंत्री के धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या देवी साय जी उपस्थित रही इस दौरान उन्होंने संभागायुक्त की धर्मपत्नी महापौर अलका बाघमार के साथ सावन झूला का आनंद लिया.

इससे पूर्व निगम की एमआईसी सदस्यो व पार्षदों ने श्रीमती कौशल्या देवी साय की गरिमामय ढंग से स्वागत किया साथ ही लोकसभा सांसद की धर्मपत्नी रजनी बघेल ने शामिल होकर महापौर अलका बाघमार,आयुक्त सुमित अग्रवाल,गौरी सुरेंद्र कौशिक, प्रभारी हर्षिका संभव जैन, शशि साहू, पूर्व विधायक की धर्म पत्नी मंजू वोरा, पूर्व महापौर की धर्म पत्नी श्वेता बकलीवाल के साथ संस्कृति कार्यक्रम में भाग लेने वाली प्रतिभागियों को पुरुस्कृत किया। इस दौरान अतिथियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कलाकारों को स्मृति चिन्ह एवं प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया। बच्चों और युवा कलाकारों की प्रतिभा देख अतिथिगण विशेष रूप से प्रभावित हुए।

मुख्य अतिथि कौशल्या देवी साय ने कहाँ यह मेला सिर्फ एक आयोजन नहीं,बल्कि दुर्ग की आत्मा और परंपरा का जीवंत प्रमाण है। सावन मास में ऐसा आयोजन सभी वर्गों को जोड़ता है और लोकसंस्कृति की रक्षा करता है। मैं आयोजकों को इस उत्कृष्ट कार्य के लिए बधाई देती हूं।

उन्होंने दुर्ग में रिमझिम सावन मेला हर वर्ष एक उम्मीद लेकर आता है। यह एक ऐसा मंच बन गया है, जहाँ मनोरंजन, संस्कृति और सामाजिक एकता का संगम होता है।

डॉ भीमराव आंबेडकर जन्म भूमि महू पहुंचे भीम आर्मी प्रदेश अध्यक्ष राजकुमार जांगड़े अपने जन्म दिन पर

सारंगढ़ (समय दर्शन)। 30 जुलाई 1986 में छत्तीसगढ़ राज्य के बरभाठा (अ) में माँ बोटबाई के कोख में राजकुमार जांगड़े जन्म लेकर पिता सहदेव जी से जय भीम बचपन में बोलना सीखा बड़े होकर संविधान निर्माता डॉ भीमराव आंबेडकर जी के द्वारा दिए निर्देश शिक्षित बनो, संगठित रहो,संघर्ष करो आंदोलन में काम करते हुए आज 39 वर्ष का हो गया अपने जन्मदिन के दिन मध्यप्रदेश के महू पहुंचकर संघर्षमिशाल बोधिसत्व डॉ भीमराव आंबेडकर जी के जन्म भूमि प्रणाम करने पहुँचा।

राजकुमार जांगड़े अपना जीवन में पहले लड़ाई लड़ा (1)स्कुल बनवाने के लिए(2) बिजली के लिए ट्रांसफार्मर लगवाने (3) सड़क बनवाने के साथ (4)वृद्ध के साथ पेंशन के लायक लोगों की पेंशन दिलवाने की आवाज लगाकर संवैधानिक लड़ाई लड़ा लगभग 2011-12 से आजतक कार्यरत राजकुमार जांगड़े भीम आर्मी प्रदेश अध्यक्ष आज 39 वर्ष के हो गए है,आज से पहले अपना जन्मदिन 30 जुलाई पर जन्म दिवस विकलांग बच्चों का आश्रम (1) सारंगढ़ (2)बलौदाबाजार (3) छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के माना में विकलांग बच्चों के आश्रम के साथ छात्रावास में सभी बैच्चों को पाहड़ा पेन बिस्किट देकर जन्मदिन मनाता था,आज डॉ भीमराव आंबेडकर जी का जन्म से पूरा जीवन तक का मेहनत से अब आप और हम सभी को पढ़ने एवं समजिक कार्य कर पूरे भारत देश का इतिहास को जानकर अपने जीवन में 15 साल के उम्र से सामजिक कार्य करते हुए अब 39 वर्ष पूरा हो गया अपना 24 साल लगातार डॉ भीमराव आंबेडकर जी का आंदोलन को आगे बढ़ाने में कार्यरत 2018 तक भीम सैनिक छ.ग.में सामाजिक कार्य करते हुए संगठित होकर बाबा साहब डॉ भीमराव आंबेडकर जी बताया है,एकजुट होकर कार्य करते रहो आज की स्तिथि में 2019 से अब भीम आर्मी भारत एकता मिशन छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष बनकर मा.बड़े भाई राजकुमार जांगड़े अपने 39 वें जन्मदिन के अवसर पर जन्म स्थान महू धरती को प्रणाम कर डॉ भीमराव आंबेडकर के माता भीमाबाई पिता सूबेदार रामजी सकपाल को प्रणाम कर भीम आर्मी प्रदेश अध्यक्ष राजकुमार जांगड़ मध्यप्रदेश भीम आर्मी प्रदेश एवं इंदौर जिला टीम के साथ मिलकर डॉ भीमराव आंबेडकर जी के जन्म स्थान में 39 वर्ष का केक काटकर मनाया।

सभापति प्रकाश सिन्हा ने उठाया शिक्षा का मुद्दा

अंकोरी टांडा के बच्चों को मिलेगा नया शिक्षक

बसना(समय दर्शन)। जनपद पंचायत बसना की सामान्य सभा बैठक में जनपद सभापति एवं अंकोरी क्षेत्र के जनपद सदस्य प्रकाश सिन्हा ने ग्राम अंकोरी टांडा की शिक्षा विभाग जमीनी शिक्षा व्यवस्था की गंभीर स्थिति को जनपद के सामान्य सभा की बैठक में मजबूती से उठाया।

ग्रामवासियों ने बताया कि इस ग्राम के प्राथमिक शाला में सिर्फ एकमात्र शिक्षक पदस्थ है, वह भी दिव्यांग हैं। जिसके कारण स्कूल में बच्चों की पढ़ाई पूरी तरह प्रभावित हो रही है।बच्चे स्कूल छोड़कर अन्य प्राइवेट स्कूल में पढ़ाई करने में विवश है। पालकों द्वारा बार बार शिक्षक की मांग की जा रही थी, लेकिन अब तक किसी भी स्तर में समाधान नहीं हुआ। ग्रामीणों की समस्या और बच्चों के भविष्य को देखते हुए श्री सिन्हा ने सामान्य सभा में इस मुद्दे को प्राथमिकता से उठाया और तत्काल नए शिक्षक और अतिरिक्त शिक्षक की नियुक्ति की पुरज़ोर मांग की।

इस संवेदनशील और जनहितपूर्ण मांग पर विकासखंड शिक्षा अधिकारी विनोद शुक्ला ने संज्ञान लेते हुए आश्वासन दिया कि शिक्षक की नियुक्ति के लिए शीघ्र आवश्यक कार्रवाई की जाएगी और समस्या का समाधान प्राथमिकता के साथ करने की बात कही। वहीं ग्राम अंकोरी टांडा के ग्रामीणों ने श्री सिन्हा के इस प्रयास की सराहना की और जल्द समाधान की उम्मीद जताई।

एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स की अवैध मादक पदार्थ गांजा के तस्करी पर फरार आरोपी के विरूद्ध कार्यवाही

वर्ष 2021 व 2022 में 02 प्रकरणों में कुल 125 किलो ग्राम गांजा एवं 01 नग बोलेरो वाहन जप्त कर किया जा चुका है कार्यवाही

सरायपाली (समय दर्शन)। एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स की टीम के द्वारा अवैध मादक पदार्थ गांजा की तस्करी तथा मदक जव मदक एवं फाइनेंशियल इनवेस्टिगेशन ,सोर्स प्वाइंट, डेस्टिनेशन प्वाइंट पर प्रभावी कार्यवाही, स्त्रोत के बारे मे विस्तृत जानकारी लेकर उनके विरूद्ध विधिसंगत विधिवत कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया था। कि इसी तारतम्य में (01) थाना सिंघोडा के अपराध क्रमांक 104/21 धारा 20(ख) नारकोटिक्स एक्ट के फरार आरोपियो द्वारा बोलेरो वाहन में 100 किलोग्राम गांजा परिवहन करते पाये जाने से अपने गाडी को ॠझ्र्ह चेक पोस्ट खम्हारपाली के पास छोड कर भाग गये थे पुलिस की टीम के द्वारा आरोपी पतासाजी कर मध्य प्रदेश में जाकर पकडा गया जिसमें आरोपी (01) नेपाल सिंह राजपुत पिता शेर सिंह राजपुत उम्र 48 साल साकिन वार्ड नंबर 30 ग्वाल टोली नर्मदापुरम होशंगाबाद हाल नर्मदा विहार

उदयपुरा थाना उदयपुरा जिला रायसेन म.प्र. (02) पुखराज सिंह राजपुत पिता दलीप सिंह राजपुत उम्र 54 साल साकिन सुलतानगंज जिला रायसेन हाल नर्मदा विहार उदयपुरा थाना उदयपुरा जिला रायसेन म.प्र. का निवासी होना बताये जिनके विरूध्द थाना सिंघोडा में अपराध धारा 20(ख) नारकोटिक्स एक्ट के तहत् कार्यवाही कर न्यायिक रिमांड में भेजा गया। (02) अपराध क्रमांक 53/22 धारा 20(ख) नारकोटिक्स एक्ट के आरोपी द्वारा बिना नंबर प्लेट ग्रे कलर की सेंट्रो कार से 25 किलोग्राम गांजा ले जा रहा था जो अपनी गाडी को एनएच 53 रोड श्याम ढाबा ग्राम गनियारीपाली के पास छोडकर फरार हो गया था। पुलिस की टीम के द्वारा फरार आरोपी की मध्य प्रदेश में जाकर पतासाजी कर पकडा गया जिसने अपना नाम (01) मनोज कुमार मेहरा पिता गया प्रसाद मेहरा उम्र 33 साल साकिन सुरई थाना जबेरा जिला दमोह म.प्र. का निवासी होना बताया। जिसके विरूध्द थाना सिंघोडा में अपराध धारा 20(ख) नारकोटिक्स एक्ट के तहत् कार्यवाही कर न्यायिक रिमांड में भेजा गया। यह सम्पूर्ण कार्यवाही ठ्ठह्द्ध हड्डह्ष्थ्रह्लद्दद्ध्र ञ्जड्डह्य्द्म स्न्रह्मष्द्ग की टीम एवं महासमुन्द पुलिस की टीम के द्वारा की गई।

प्रगतिशील छ ग सतनामी समाज की नैतिक पहल

बागबाहरा(समय दर्शन)। प्री मैट्रिक अनुसूचित जाति बालक छात्रावास बागबाहरा ,एवं प्री मैट्रिक अनुसूचित जनजाति बालक छात्रावास बागबाहरा में जाकर प्रगतिशील सतनामी समाज शिक्षा प्रकोष्ठ ब्लाक ईकाई बागबाहरा के पदाधिकारियों द्वारा छात्रावास अधीक्षको से मिलकर भोजन व्यवस्था, भौतिक सुविधाओं एवं बच्चों के पढ़ाई-लिखाई से संबंधित जानकारी के साथ जायजा लिया । साथ ही सभी बच्चों को एक हाल में बैठाकर बुरी संगति , नशापान एवं अन्य गलत आदतों से दूर रहने की सलाह दी गई।

राधेश्याम निराला द्वारा छात्रावास के बच्चों को अपने मोटिवेशनल उद्बोधन देकर नियमित पढ़ाई -लिखाई करते हुए जीवन पथ में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया गया।

इस अवसर पर छात्रावास में शिक्षा प्रकोष्ठ के महेन्द्र बंजारे, नरसिंह बंजारे, चिन्ता कुर्रे, राधेश्याम निराला एवं नंदकिशोर भारद्वाज मौजूद रहे।

प्लास्टिक प्रौद्योगिकी में नि:शुल्क प्रशिक्षण: एनएमडीसी का बस्तर और दंतेवाड़ा के युवाओं को सशक्त करने का प्रयास

एनएमडीसी की सीएसआर पहल: बस्तर के 500 आदिवासी युवाओं के लिए मुफ्त कौशल विकास प्रशिक्षण

किरन्दुल से 80 युवाओं को हरी झंडी: एनएमडीसी ने शुरू किया परिवर्तनकारी प्रशिक्षण कार्यक्रम

दंतेवाड़ा किरन्दुल (समय दर्शन)। भारत की सबसे बड़ी लौह अयस्क उत्पादक कंपनी, नेशनल मिनरल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (एनएमडीसी), ने अपनी कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) पहल के तहत छत्तीसगढ़ के बस्तर और दंतेवाड़ा जिलों के 500 अनुसूचित जनजाति युवाओं के लिए एक परिवर्तनकारी कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया है। इस पहल का उद्देश्य आदिवासी समुदायों को तकनीकी कौशल प्रदान कर उनकी आर्थिक स्वतंत्रता और सामाजिक उत्थान को बढ़ावा देना है।

रविवार शाम 4 बजे, किरन्दुल से 80 युवाओं को प्रशिक्षण केंद्र भेजने के लिए एनएमडीसी के अधिशासी निदेशक रवींद्र नारायण ने बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर उन्होंने सभी युवाओं को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में एनएमडीसी के उपमहाप्रबंधक (एचआर) के.एल. नागवेणी, सीएसआर प्रबंधक विवेक रक्षा सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

यह प्रशिक्षण कार्यक्रम सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (सीआईपीईटी), हैदराबाद के सहयोग से संचालित किया जा रहा है। इसके तहत युवाओं को प्लास्टिक और पॉलिमर प्रौद्योगिकी में पूरी तरह नि:शुल्क तकनीकी शिक्षा प्रदान की जाएगी। एनएमडीसी इस कार्यक्रम के तहत ट्यूशन, प्रशिक्षण, आवास, भोजन और अन्य सभी खर्चों को पूर्ण रूप से प्रायोजित कर रही है।

कार्यक्रम में मशीन ऑपरेटर (एनएसक्यूएफ लेवल चौथा सर्टिफिकेशन) जैसे छह माह के अल्पकालिक पाठ्यक्रम शामिल हैं, जो 8वीं कक्षा उत्तीर्ण उम्मीदवारों के लिए उपलब्ध हैं। यह कोर्स प्लास्टिक प्रसंस्करण, इंजेक्शन मोल्डिंग और ब्लो मोल्डिंग जैसे क्षेत्रों में व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करता है। यह पहल न केवल युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करेगी, बल्कि स्थानीय समुदायों की क्षमता को उजागर कर भारत की प्रगति में योगदान देगी।

एनएमडीसी की यह पहल आदिवासी युवाओं को सशक्त बनाने और उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह प्रयास न केवल वित्तीय स्वतंत्रता को बढ़ावा देता है, बल्कि बस्तर जैसे क्षेत्रों में सामाजिक-आर्थिक विकास को भी गति प्रदान करता है।

विशेषताएं

नि:शुल्क प्रशिक्षण: ट्यूशन, आवास, भोजन सहित सभी खर्च एनएमडीसी द्वारा वहन।

लक्ष्य: बस्तर और दंतेवाड़ा के 500 आदिवासी युवाओं को तकनीकी कौशल से सशक्त करना।

पाठ्यक्रम: प्लास्टिक प्रसंस्करण, इंजेक्शन मोल्डिंग और ब्लो मोल्डिंग में विशेषज्ञता।

यह कार्यक्रम स्थानीय युवाओं के लिए एक नई राह खोलेगा और उन्हें आत्मनिर्भर बनने की दिशा में प्रेरित करेगा।

भाजपा सदस्यता अभियान में सरला कोसरिया को उत्कृष्ट कार्य हेतु किया गया सम्मानित

मुयमंत्री निवास में हुआ भव्य आयोजन

महासमुन्द(समय दर्शन)। महासमुन्द जिला की प्रखर भाजपा नेत्री सरला कोसरिया का मुख्यमंत्री निवास अटल नगर, रायपुर में आयोजित भारतीय जनता पार्टी प्राथमिक सदस्यता अभियान 2024-25 के अंतर्गत उत्कृष्ट सदस्यता सम्मान एवं सहभोज कार्यक्रम के आयोजन मे शामिल हुई । इस भव्य कार्यक्रम में भाजपा की वरिष्ठ नेत्री एवं प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती सरला कोसरिया को सदस्यता अभियान में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में भाग लेकर सम्मान प्राप्त करने के बाद श्रीमती कोसरिया ने कहा, सदस्यता अभियान में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए मुझ जैसे साधारण कार्यकर्ता को सम्मानित किया जाना निश्चित ही मेरे लिए गौरव और खुशी का क्षण है। यह संगठन की समावेशी सोच और कार्यकर्ताओं के प्रति सम्मान का प्रतीक है। उल्लेखनीय है कि यह पहला अवसर नहीं है जब श्रीमती सरला कोसरिया को संगठन द्वारा सम्मानित किया गया हो। वर्ष 2016 में भी भाजपा सदस्यता अभियान में उत्कृष्ट योगदान के लिए तत्कालीन भाजपा प्रदेशाध्यक्ष धरमलाल कौशिक द्वारा उन्हें सम्मानित किया गया था। भाजपा संगठन और सामाजिक क्षेत्र में लगातार सक्रिय रहने वाली श्रीमती कोसरिया पार्टी की एक समर्पित और लोकप्रिय महिला नेत्री हैं।

दीक्षारंभ एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम में हुए शामिल

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने युवाओं को दिया सफलता का मंत्र

रायपुर (समय दर्शन)। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव आज लोरमी के राजीव गांधी शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय में दीक्षारंभ एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने दीक्षारंभ कार्यक्रम में विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि हमें प्रकृति और समाज से जुड़कर समग्र विकास की दिशा में आगे बढ़ना होगा। उन्होंने अपने छात्र जीवन की स्मृतियाँ साझा करते हुए विद्यार्थियों को आत्मविश्वास, अनुशासन और निरंतर प्रयास का महत्व बताया। उन्होंने कहा कि लक्ष्य निर्धारित करना महत्वपूर्ण है, लेकिन उससे भी अधिक आवश्यक है, सही दिशा तय करना। जीवन में सफलता का रास्ता मेहनत और ईमानदारी से होकर गुजरता है। अपने संबोधन के दौरान उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के जीवन संघर्ष और उपलब्धियों का उदाहरण देते हुए विद्यार्थियों को प्रेरित किया। महाविद्यालय के प्राचार्य श्री एम.के. धुर्वे ने उप मुख्यमंत्री का स्वागत करते हुए संस्थान की उपलब्धियों की जानकारी दी।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कहा कि वर्ष 1994 से संचालित यह कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय लोरमी की शैक्षणिक पहचान बन चुका है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि कभी भी डिप्रेशन, निराशा और हताशा को अपने जीवन में जगह न दें। ये आपके सबसे बड़े शत्रु हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जैसे नेता एक गरीब माँ के बेटे होकर भी विश्व मंच पर छाए हैं। यह उनकी मेहनत और लगन का परिणाम है। श्री साव ने महाविद्यालय की मांग पर 15 नग ग्रीन बोर्ड, परिसर में बाउण्ड्रीवाल, चेकर पत्थर, दो सेट सोलर हाइमास्ट लाइट और सांस्कृतिक मंच के निर्माण की घोषणाकी।

वृक्षारोपण कर दिया संदेश, सांस्कृतिक मंच निर्माण सहित की कई घोषणाएं उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने महाविद्यालय परिसर में आम का पौधा रोपित कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि हमारी भावी पीढ़ियों के प्रति एक जिम्मेदारी है। उन्होंने ग्लोबल वार्मिंग और जल संरक्षण के प्रति युवाओं को जागरूक करते हुए अधिक से अधिक पौधे लगाने की अपील की। कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी प्राध्यापकगण, जनप्रतिनिधि और छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

बिल्हा के विकास के लिए राशि की नहीं होगी कमी : श्री अरुण साव

रायपुर (समय दर्शन)। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने बिल्हा नगर पंचायत को 20 हजार से कम आबादी वाले शहरों में देश का सबसे स्वच्छ शहर बनाने में अहम योगदान के लिए वहां की स्वच्छता दीदियों और सफाई कर्मियों को सम्मानित किया। उन्होंने बिल्हा के कन्या भवन में आयोजित सम्मान समारोह में 28 स्वच्छता दीदियों, 20 सफाई मित्रों और दस स्वच्छता कमांडोज को सम्मानित किया। उल्लेखनीय है कि भारत सरकार के स्वच्छ सर्वेक्षण 2024-25 में बिल्हा ने 20 हजार से कम जनसंख्या वाले शहरों में देश के सबसे साफ-सुथरे शहर का पुरस्कार हासिल किया है। बिल्हा के विधायक श्री धरमलाल कौशिक और क्रेडा के अध्यक्ष श्री भूपेन्द्र सवन्नी भी सम्मान समारोह में शामिल हुए।

उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री अरुण साव ने कार्यक्रम में स्वच्छता दीदियों से कहा कि आप लोगों के कारण छत्तीसगढ़ को देश में बड़ी प्रतिष्ठा मिली है। स्वच्छता में देश में प्रथम स्थान हासिल करना हम सबके लिए गौरव की बात है। अब हमें इसे बरकरार रखना होगा। बिल्हा के एक-एक व्यक्ति को स्वच्छता के लिए संकल्प लेना होगा। उन्होंने कार्यक्रम में मौजूद सभी लोगों को स्वच्छता की शपथ दिलाई।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में स्वच्छता ने जन आंदोलन का रूप ले लिया है। स्वच्छता हमारे संस्कार और स्वभाव में है। हर व्यक्ति चाहता है कि हमारा घर साफ-सुथरा रहे। शहर भी हमारा घर है, इसे साफ रखना भी हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने बताया कि केंद्रीय आवास और शहरी कार्य मंत्रालय के स्वच्छ सर्वेक्षण 2024-25 में छत्तीसगढ़ को स्वच्छता में उत्कृष्ट कार्यों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है। इसमें शामिल हमारे 169 शहरों में से 115 ने अपनी रैंकिंग सुधारी है। राज्य की इस उपलब्धि में स्वच्छता दीदियों और सफाई मित्रों का अमूल्य योगदान है जिसके लिए वे अभिनंदन के पात्र हैं।

श्री साव ने कहा कि बिल्हा के लोगों को सफाई के लिए संकल्पित होना होगा। यह हमारे लिए चुनौती है कि हम स्वच्छता में अपना मुकाम बरकरार रखे। जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और बिल्हावासियों की सहभागिता से बिल्हा को स्वच्छ और सुंदर बनाने का काम आगे भी बनाए रखना संभव है। उन्होंने कहा कि बिल्हा के विकास के लिए राशि की कोई कमी नहीं होगी। कार्यों के प्रस्ताव मिलते ही अगले दिन राशि मंजूर कर दी जाएगी।

सुपोषित सरगुजा अभियान और मुख्यमंत्री अन्नकोष योजना का शुभारंभ

रायपुर (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा कुपोषण के खिलाफ निर्णायक लड़ाई की दिशा में एक और प्रभावशाली पहल की गई है। सरगुजा जिले में आज से सुपोषित सरगुजा अभियान और मुख्यमंत्री अन्नकोष योजना का विधिवत शुभारंभ हुआ। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित यह संयुक्त पहल कलेक्टर श्री विलास भोसकर के मार्गदर्शन में जिला खनिज न्यास निधि (DMF) मद से क्रियान्वित की जा रही है। सुपोषित सरगुजा अभियान के तहत जिले के आंगनबाड़ी केन्द्रों में दर्ज 6 माह से 6 वर्ष तक की आयु के लगभग 9500 कुपोषित बच्चों को अब सप्ताह में छह दिन अतिरिक्त पोषण आहार दिया जाएगा।सोमवार, बुधवार, शुक्रवार अंडा या केला और मंगलवार, गुरुवार, शनिवार भुने चने का सत्तू और गुड़ को आहार में शामिल किया जाएगा। यह पहल टेक होम राशन और गरम भोजन योजना के पूरक के रूप में संचालित होगी। इसका उद्देश्य बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि करते हुए उनके शारीरिक और मानसिक विकास को सुनिश्चित करना है।

मुख्यमंत्री अन्नकोष योजना के तहत जिले की 459 पहाड़ी कोरवा गर्भवती एवं शिशुवती महिलाओं को प्रतिमाह 1 किलो चना और 1 किलो मूंग दाल निरूशुल्क प्रदान किया जाएगा। इसके साथ ही, पोषण सामग्री के सही उपयोग और पकाने की विधियों की जानकारी भी महिलाओं को दी जाएगी ताकि वे अधिकतम लाभ प्राप्त कर सकें।

वर्तमान में इन महिलाओं को सप्ताह में एक बार 900 ग्राम रेडी-टू-ईट पैकेट प्रदान किया जाता है, जो कि शिशु के स्तनपान पर निर्भरता की स्थिति में अपर्याप्त होता है। ऐसे में यह नई योजना उनके लिए पोषण का एक सशक्त माध्यम बनकर उभरेगी।

यह पहल प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महाभियान (PM JANMAN) के उद्देश्यों के अनुरूप है, जो विशेष पिछड़ी जनजातियों की सामाजिक, पोषणीय और आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने की दिशा में कार्य कर रहा है।

आत्मनिर्भरता की मिसाल बनीं श्रीमती शशिकला खलखो

रायपुर (समय दर्शन)। विष्णु देव साय के गृह जिला जशपुर की ग्रामीण महिलाएं आत्मनिर्भरता की दिशा में नए आयाम स्थापित कर रही हैं। जिले के कांसाबेल विकासखंड अंतर्गत ग्राम केनाडाड़ की श्रीमती शशिकला खलखो ने बिहान योजना के माध्यम से स्वावलंबन की मिसाल पेश की है। एक सामान्य गृहिणी से सफल उद्यमी बनने का उनका यह सफर अन्य महिलाओं के लिए भी प्रेरणास्रोत है।

श्रीमती शशिकला खलखो वर्ष 2008 से जीवन ज्योति स्व-सहायता समूह की सक्रिय सदस्य हैं। 11 सदस्यीय इस समूह के माध्यम से उन्होंने सामूहिक खेती-किसानी के कार्यों में सहभागिता करते हुए अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ किया। बिहान योजना से जुड़ने के पश्चात उनके जीवन में बदलाव आया, उन्होंने बच्चों की शिक्षा के साथ-साथ अपने आप को आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाया। अपनी उद्यमशीलता को विस्तार देते हुए हाल ही में उन्होंने होटल व्यवसाय प्रारंभ किया है। इस हेतु उन्हें मुद्रा योजना के अंतर्गत ऋण तथा सामुदायिक निवेश निधि (सीआईएफ) मद से 60 हजार रुपये की सहायता प्राप्त हुई। उन्होंने बताया कि होटल संचालन की यह नई शुरुआत उनके लिए उत्साहजनक रही है और प्रारंभिक माह में ही उन्हें अच्छी आय प्राप्त हुई है।

श्रीमती खलखो पूर्व में खाद्य विभाग के अंतर्गत सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) की दुकान का संचालन भी कर चुकी हैं। इसके अतिरिक्त उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पक्का आवास, महतारी वंदना योजना के अंतर्गत मासिक 1000 रूपए की आर्थिक सहायता तथा उज्ज्वला योजना के अंतर्गत गैस कनेक्शन की सुविधा प्राप्त हुई है। श्रीमती शशिकला खलखो ने अपनी सफलता का श्रेय राज्य सरकार की महिला सशक्तिकरण योजनाओं को देते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति विशेष आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं ने उन्हें आत्मनिर्भर बनने का अवसर दिया है और अब वे अन्य महिलाओं को भी प्रेरित कर रही हैं।

नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने, निर्माण कार्यों में तेजी लाने, स्वच्छता एवं सौंदर्यीकरण के कार्यों को प्रभावी तरीके से धरातल पर उतारने के दिए निर्देश

योजनाओं और सुविधाओं के क्रियान्वयन में और ज्यादा गति व पारदर्शिता के साथ करें परिणाममूलक कार्य - श्री अरुण साव

रायपुर (समय दर्शन)। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने मंत्रालय में आयोजित मैराथन बैठक में विभागीय योजनाओं का सक्रियता से क्रियान्वयन कर नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने, निर्माण कार्यों की गति बढ़ाने तथा स्वच्छता एवं सौंदर्यीकरण के कार्यों को प्रभावी तरीके से धरातल पर उतारने के निर्देश दिए। उन्होंने बैठक में 25 से अधिक योजनाओं की प्रगति की समीक्षा कर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के सचिव डॉ. बसवराजु एस. और संचालक श्री आर. एक्का भी बैठक में शामिल हुए।

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने बैठक में अधिकारियों से कहा कि शहरों को स्वच्छ, सुंदर और नागरिक सुविधाओं से परिपूर्ण बनाने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं। बीते डेढ़ वर्षों में नगरीय प्रशासन विभाग ने कई नवाचार किए हैं, जिससे शहरी सेवाओं में व्यापक सुधार आया है। विभागीय योजनाओं और सुविधाओं के क्रियान्वयन में और ज्यादा गति तथा पारदर्शिता के साथ परिणाममूलक कार्य करने की जरूरत है।

उन्होंने योजनाओं को समयबद्ध और प्रभावी ढंग से लागू करने पर जोर दिया, जिससे कि शहरों के विकास को नई दिशा दी जा सके। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने राज्य शहरी विकास अभिकरण (स्ष्ठ) द्वारा संचालित ई-गवर्नेंस और मोर संगवारी योजना की समीक्षा करते हुए इनकी प्रक्रियाओं में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने निदान-1100 योजना के विस्तार के साथ ही नए आरएफपी की प्रक्रिया को शीघ्र अंतिम रूप देने को कहा। उन्होंने अमृत मिशन के तहत बस्तर और सरायपाली के लिए तैयार किए गए डीपीआर का जल्दी परीक्षण कर प्राथमिकता से स्वीकृत करने को कहा। श्री साव ने स्थानीय निकायों के वर्गीकरण और सेट-अप में सुधार के लिए राज्य शासन को भेजे गए प्रस्तावों की समीक्षा की। उन्होंने इंजीनियरों की भर्ती की प्रक्रिया को शीघ्र प्रारंभ करने वित्त विभाग से अनुमति प्राप्त कर इसमें तेजी से कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने बैठक में सभी विभागीय कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण करने तथा नगरीय निकायों को दक्ष और जवाबदेह बनाने पर जोर दिया। उन्होंने 15वें वित्त आयोग के तहत प्रस्तावित योजनाओं पर कार्यवाही शीघ्र प्रारंभ करने को कहा।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने ईईएसएल के साथ हुए अनुबंध के अंतर्गत पारंपरिक लाइट्स को एलईडी में बदलने का कार्य समय-सीमा में पूर्ण हो सके, इसके लिए सभी नगरीय निकायों के आयुक्तों और मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को प्रतिदिन विद्युत संधारण कार्यों की निगरानी और समीक्षा करने के निर्देश दिए। उन्होंने भिलाई क्लस्टर के लिए तैयार इंटीग्रेटेड सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट परियोजना को जल्द अमल में लाने को कहा। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग की उप सचिव डॉ. रेणुका श्रीवास्तव और डॉ. ऋतु वर्मा, राज्य शहरी विकास अभिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री शशांक पाण्डेय, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री दुष्यंत कुमार रायस्त, अपर संचालक श्री पुलक भट्टाचार्य और मुख्य अभियंता श्री राजेश शर्मा सहित नगरीय प्रशासन विभाग एवं सुडा के अधिकारी बैठक में मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

प्राकृतिक खेती पर व्याख्यान देंगे डॉ. अखिल जैन

रायपुर (समय दर्शन)। राज्य कृषि प्रबंधन एवं विस्तार प्रशिक्षण संस्थान रायपुर द्वारा राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन (एनएमएनएफ) योजनांतर्गत प्राकृतिक खेती पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इसमें 4 अगस्त को कृषि सखी प्रशिक्षण समिति रायपुर में व्याख्यान होगा। इसमें मनोहर गौशाला के ट्रस्टी डॉ. अखिल जैन को व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया है। वे इस प्रशिक्षण शिविर में 'प्राकृतिक खेती- परिचय प्राकृतिक खेती का वर्तमान समय में आवश्कता, महत्व एवं लाभ' विषय पर एक घंटे तक व्याख्यान देंगे।

अमलीडीह एक्सप्रेस वे जॉइंट रोड निर्माण जल्द शुरू करने NSUI ने सौंपा ज्ञापन

रायपुर (समय दर्शन)। अमलीडीह क्षेत्र की बदहाल सड़कों और बुनियादी सुविधाओं की अनदेखी को लेकर हस्ढ्ढ ने प्रदेश सचिव कुणाल दुबे के नेतृत्व में नगर निगम जोन क्रमांक-10 के जोन कमिश्नर को ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने एक्सप्रेस वे जॉइंट रोड निर्माण कार्य शीघ्र शुरू करने की मांग की है। ज्ञापन में बताया गया कि अमलीडीह क्षेत्र की सड़कें जर्जर हो चुकी हैं, आए दिन जलभराव, जाम और दुर्घटनाएं होती हैं। राहगीरों, स्कूली बच्चों और वरिष्ठ नागरिकों को रोजाना परेशानी का सामना करना पड़ता है। स्थानीय नागरिक लंबे समय से सड़क निर्माण की मांग कर रहे हैं, लेकिन अब तक निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ है। सिर्फ सड़क ही नहीं, वार्ड में नाली निर्माण, स्ट्रीट लाइट की मरम्मत, सफाई व्यवस्था और पेयजल संकट जैसी समस्याएं भी बनी हुई हैं। एन.एस.यू.आई ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द समाधान नहीं किया गया तो चरणबद्ध आंदोलन शुरू किया जाएगा। इस दौरान एन.एस.यू.आई के प्रभारी महामंत्री हेमंत पाल, जिला उपाध्यक्ष तारिक अनवर खान, जिला महासचिव संस्कार पांडेय, तनिष्क मिश्रा, रोहन बाग सहित कई कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक मौजूद रहे। सभी ने मिलकर जनहित में शीघ्र कार्रवाई की मांग की। कुणाल दुबे ने कहा, हम शांतिपूर्ण ढंग से अपनी मांग रख रहे हैं, लेकिन यदि नगर निगम ने लापरवाही जारी रखी, तो हम सड़कों पर उतरेंगे। अब देखना होगा कि नगर निगम प्रशासन जन समस्याओं को लेकर कितना गंभीर कदम उठाता है।

आर्थिक तंगी से परेशान नाबालिग ने लगाई फांसी...

रायपुर (समय दर्शन)। राजधानी के विधानसभा थाना क्षेत्र अंतर्गत नरदहा गांव से शुक्रवार सुबह एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां 17 वर्षीय नाबालिग ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसका शव गांव के स्कूल बिल्डिंग के पीछे एक पेड़ से लटकता मिला। सूचना मिलते ही विधानसभा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। मृतक सूरज यादव गांव में ही चाय-नाश्ते की दुकान चलाता था और बताया जा रहा है कि वह लंबे समय से आर्थिक तंगी से जूझ रहा था।

नाबालिग की लाश देख गांव में सनसनी- सुबह जब गांव के लोग बाहर निकले, तो स्कूल के पीछे पेड़ से लटकती लाश देख सन्न रह गए। कुछ ही देर में यह खबर पूरे गांव में फैल गई। परिजनों को जब इसकी जानकारी मिली तो घरों में मातम पसर गया।

पुलिस जुटी जांच में, नहीं मिला सुसाइड नोट- पुलिस ने बताया कि मृतक सूरज यादव के पास से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। फिलहाल परिजनों और आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है, ताकि आत्महत्या के पीछे की सही वजह सामने आ सके। पुलिस का कहना है कि शुरुआती जांच में आर्थिक तंगी ही आत्महत्या की वजह मानी जा रही है, लेकिन सभी पहलुओं पर जांच की जा रही है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मामला दर्ज कर लिया है और आगे की कार्रवाई जारी है।

बुजुर्ग के खाते से 25 हजार पार

रायपुर (समय दर्शन)। क्रेडिट कार्ड अपडेट कराने के नाम पर अज्ञात आरोपी ने बुजुर्ग के खाते से 25 हजार रुपए पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर राखी थाना पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी एम.आर.ध्रुव 62 वर्ष अर्जुनी भाठापारा बलौदाबाजार का रहहने वाला है। प्रार्थी संचनालय इंद्रावती भवन में काम करती है। बताया जाता है कि अज्ञात आरोपी ने प्रार्थी को कॉल कर क्रेडिट कार्ड अपडेट कराने का झांसा देकर उसके खाते 25 हजार रुपए पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर राखी थाना पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

अलग-अलग क्षेत्र से दो दोपहिया वाहन पार

रायपुर (समय दर्शन)। अलग-अलग थाना क्षेत्र से अज्ञात चोर ने दो दोपहिया वाहन पार कर दिया। दोनों ही मामलों में पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार पहले मामले में शांति विहार कालोनी डगनिया निवासी विकाश कुमार नाथ 44 वर्ष ने डीडीनगर थाना में शिकायत किया कि वह अपनी बाइक क्रमांक सीजी 04 एचजे 4986 को महादेव घाट शमशान घाट के पास खड़ी किया था, तभी अज्ञात चोर ने पार कर दिया। चोरी गए बाइक की कीमत करीब 20 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। वहीं दूसरे मामले में मांढर निवासी विनेश कुमार सूर्यवंशी 32 वर्ष ने धरसींवा थाना में शिकायत किया कि वह अपनी बाइक क्रमांक सीजी 04 पीयू 8508 को सिलतरा के शराब दुकान के पास खड़ी किया था, तभी अज्ञात चोर ने पार कर दिया। चोरी गए बाइक की कीमत करीब 35 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। दोनों ही मामलों में पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

चाकू के साथ तीन युवक गिरफ्तार

रायपुर (समय दर्शन)। टिकरापारा और माना थाना पुलिस ने चाकू लेकर आतंक फैलाते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से चाकू जब्त किया है। मिली जानकारी के अनुसार टिकरापारा पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर यादव मोहल्ला के पास चाकू लहराकर आतंक फैलाते हुए आरोपी आर्यन ठाकुर 19 वर्ष और विकाश जोशी 27 वर्ष को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इन दोनों के पास से चाकू जब्त किया है। वहीं माना पुलिस ने 18 ब्लाक माना कैंप के पास चाकू लहराकर आतंक फैलाते आरोपी रॉकी मिरधी 32 वर्ष को गिरफ्तार किया है।

संपादकीय

मौसमी मार से शिक्षा प्रभावित

वैश्विक रिपोर्ट का अनुमान है कि अत्यधिक गर्मी के कारण बच्चों की स्कूली शिक्षा में डेढ़ साल तक की कमी आ सकती है। हाल के दशकों में हुई शिक्षा उपलब्धियों पर जलवायु परिवर्तन का प्रतिकूल प्रभाव पड़ने का खतरा है। गर्मी, जंगलों की आग, तूफान, बाढ, सूखा, बीमारियां और समुद्र का बढता स्तर शिक्षा परिणामों को प्रभावित करता है। यूनिस्को की वैश्विक शिक्षा निगरानी टीम, जलवायु संचार व शिक्षा निगरानी एवं मूल्याकंन परियोजना और कनाडाई विविद्यालय द्वारा संकलित रिपोर्ट के अनुसार बीते बीस वर्षो में चरम मौसम की घटनाओं के कारण कम से कम 75त्न समय स्कूल बंद रहे, जिससे पचास लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए। बता रहे हैं, औसत से दो डिग्री अधिक तापमान का सामना करने वाले बच्चे औसत तापमान वाले बच्चों की तुलना में डेढ़ वर्ष कम शिक्षा प्राप्त कर पाते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2019 में चरम मौसम की घटनाओं से सबसे ज्यादा प्रभावित दस देशों में से आठ या तो निम्न या निम्नमध्य आय वाले हैं। यूनिसेफ के अनुसार, 2024 में दुनिया भर में कम से कम 24.2 करोड़ छात्रों की शिक्षा चरम मौसम के कारण बाधित हुई। पूर्व में भी विभिन्न अध्ययनों में पाया गया है कि छात्रों पर उस तापमान का गहरा असर होता है, जिसके वे अभ्यस्त नहीं होते। तापमान में आने वाले जबरदस्त परिवर्तन सिर्फ पढाई के समय को ही नहीं प्रभावित करते बल्कि शिक्षा की गुणवत्ता पर भी असरकारक होते हैं। जलभराव, सड़कों की दुर्दशा व परिवहन संबंधी दिक्कतों के चलते कितने छात्र स्कूल जाने से वंचित रह जाते हैं, इस पर कोई प्रमाणिक अध्ययन नहीं किया जाता। स्कूली शिक्षा व स्वशिक्षा की गुणवत्ता में भारी अंतर होता है। बावजूद इसके मौसमी मार से शिक्षा को बचाने के लिए ऐसे तरीके प्रयोग में लाने की आवश्यकता बढ़ती जा रही है, जिनकी मदद से स्वअध्ययन व इंटरनेट द्वारा पढ़ाई संभव हो सके। भारत में स्थिति और भी इसलिए बिगड़ जाती है क्योंकि यहां ढेरों स्कूलों के पास ढंग का भवन तक नहीं है। बिजली कनेक्शन या पंखों की हालात किसी से छिपी नहीं है। बेशक मौसम के चरम का असर शारीरिक होने के अतिरिक्त मानसिक भी कम नहीं होता। भीषण गरमी में पढ़ाई संभव नहीं होती। बल्कि मनोवैज्ञानिकों के अनुसार, ध्यान केंद्रित करने, समझ व निर्णय लेने की क्षमता भी प्रभावित होती है। चूंकि यह वैश्विक समस्या है, इसलिए बगैर देरी किए सामूहिक रूप से इससे निपटना होगा।

आर्थिक भविष्य को नई दिशा, भारत-ब्रिटेन के बीच एफटीए

ललित गर्ग

भारत और ब्रिटेन के बीच ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की अंतिम स्वीकृति ने न केवल वैश्विक व्यापार जगत में हलचल मचा दी है, बल्कि भारत के आर्थिक भविष्य को भी नई दिशा दी है। पिछले कुछ वर्षो में जिस तरह से संरक्षणवाद बढ़ा है, उसमें ऐसे व्यापार समझौतों की भूमिका अहम हो जाती है। इस समझौते से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने न केवल अमेरिका, बल्कि अन्य देशों को भी भारत की मजबूत होती स्थिति का आईना दिखाया है, जो उनकी दूरगामी राजनीति का द्योतक है। इस समझौते को मौजूदा दौर में दुनिया भर में जारी बहुस्तरीय तनाव, दबाव एवं दादागीरी की राजनीति के बीच सूझबूझभरी कूटनीतिक कामयाबी के तौर पर देखा जा सकता है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुल्क के मोर्चे पर एक बड़ा संकट खड़ा कर दिया है, लेकिन भारत ने इस द्वंद्व के सामने झुकने की बजाय नये रास्ते खोजे हैं। निश्चित ही यह समझौता महज कागजी करार भर नहीं है, बल्कि 'विकसित भारत 2047' के स्वप्न को मूर्त रूप देने की ठोस रणनीति है। जहां एक ओर यह समझौता 99 प्रतिशत टैरिफ को समाप्त कर वस्त्र, चमड़ा, समुद्री उत्पाद, कृषि और रत्न-आभूषण जैसे श्रम-प्रधान क्षेत्रों को नई उड़ान देगा, वहीं छोटे उद्यमों, मछुआरों और किसानों को वैश्विक मंच पर पहचान भी दिलाएगा। भारत के ग्रामीण अंचलों से हल्दी, दाल, अचार जैसे उत्पाद अब ब्रिटिश बाजारों में अपनी महक फैलाएंगे। मोदी सरकार ने पिछले एक दशक में जिस प्रकार से गुणवत्ता, प्रतिस्पर्धा और पारदर्शिता पर जोर दिया है, उसी का परिणाम है यह करार। इससे यह भी सिद्ध हुआ कि भारत अब केवल बाजार नहीं, बल्कि निर्णायक शक्ति भी बन चुका है। यह समझौता सेवा क्षेत्र, शिक्षा, वित्तीय सेवाएं, निवेश, सामाजिक सुरक्षा, और दोहरे कराधान जैसे क्षेत्रों में भी भारतीयों के लिए नये द्वार खोलता है। खासकर ब्रिटेन में काम कर रहे भारतीय पेशेवरों के लिए यह राहत का संदेश है, जिन्हें सामाजिक सुरक्षा अंशदान से छूट मिल सकेगी। यह समझौता इसलिए भी महत्त्वपूर्ण है कि अब तक अमेरिका की ओर से पैदा किए गए किसी भी दबाव के आगे भारत ने झुकना स्वीकार नहीं किया और उसने भारत-ब्रिटेन जैसे नये विकल्पों को खड़ा करने और पुराने को मजबूत करने की दिशा में कदम बढ़ाए हैं। मोदी के मेड इन इंडिया संकल्प की दृष्टि से यह डील अहम है। इससे करीब 99 प्रतिशत निर्यात यानी यहां से ब्रिटेन जाने वाली चीजों पर टैरिफ से राहत मिलेगी। इसी तरह ब्रिटेन से आनी वाली चीजें भारत में सस्ती मिल सकेंगी जिससे आम लोगों को अधिक गुणवत्ता वाला सामान सस्ते में सुलभ होगा और उनके जीवन स्तर में व्यापक सुधार होगा। इससे मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा मिलेगा। ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग में भारत की हिस्सेदारी 2.8 प्रतिशत है, जबकि चीन की 28.8 प्रतिशत। इसी तरह, देश की जीडीपी में मैन्युफैक्चरिंग का योगदान 17 प्रतिशत है और सरकार इसे 25 प्रतिशत तक बढ़ाना चाहती है। इस तरह की डील से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय, दोनों स्तर पर प्रदर्शन में सुधार होगा। कृषि सेक्टर को उन्नत बनाने एवं अधिक उत्पाद की दृष्टि से भी व्यापक फायदा होगा। इस समय भारत की बातचीत अमेरिका से भी चल रही है लेकिन वहां कृषि और डेयरी प्रॉडक्ट्स को लेकर रस्साकशी है। अमेरिका इन दोनों क्षेत्रों में खुली छूट चाहता है, जबकि अपने लोगों के हितों को देखते हुए भारत ऐसा नहीं कर सकता। ब्रिटेन के साथ मुक्त व्यापार होने से भारत के कृषि उद्योग को बढ़ावा मिलेगा। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत के एफटीए वस्तुओं और सेवाओं से कहीं आगे तक सांस्कृतिक आदान-प्रदान एवं नागरिक हितों तक जाते हैं। आस्ट्रेलियाई एफटीए के साथ भारत ने दोहरे कराधान का मुद्दा सुलझाया जो आईटी कंपनियों की परेशानी बढ़ा रहा था। ब्रिटेन के साथ समझौते का अहम बिंदु दोहरे अंशदान से जुड़ा है। यह ब्रिटेन में नियोक्ताओं, अस्थायी भारतीय कर्मियों को तीन वर्षो के लिए सामाजिक सुरक्षा अंशदान से छूट देता है। इससे भारतीय सेवा प्रदाताओं की प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी। ब्रिटेन में रहने वाले भारतीयों को अब अनेक सुविधाएं भी मिल सकेंगी। निश्चित ही जहां बाजार बनते हैं अवसरों के, वहीं नीति बनती है भविष्य की नींव।

आखिर अमेरिकी 'टेररिस्ट इकॉनमी' और इंडियन 'डेड इकॉनमी' जैसे आरोपों के अंतरराष्ट्रीय मायने क्या हैं? बारीकीपूर्वक समझिए

कमलेश पांडे

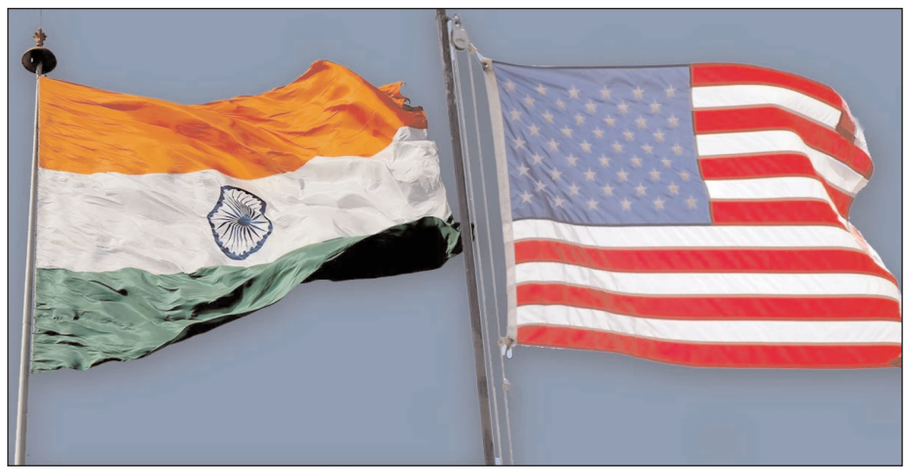

जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दुनिया की चौथी सबसे बड़ी और तेजी से मजबूत होती जा रही 'समाजवादी अर्थव्यवस्था' यानी भारतीय अर्थव्यवस्था को डेड इकॉनमी करार दिया है, तो एक भारतीय होने के नाते उनसे मेरा सीधा सवाल है कि आखिर उनकी अमेरिकी अर्थव्यवस्था क्या है- 'कैपिटलिस्ट इकॉनमी' या 'टेररिस्ट इकॉनमी!' मुझे पता है कि वो मेरे इस सवाल का जवाब नहीं देंगे, इसलिए आज उनकी डॉलर डिप्लोमेसी, मिलिट्री डिप्लोमेसी और घृणित कूटनीति को आईना दिखलाना अपना राष्ट्रधर्म/बुद्धिजीवी धर्म समझता हूं। वहीं, अमेरिका को यह भी स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि रूस के साथ भारत गर्त में नहीं, बल्कि उंस शिखर पर जाएगा जहां आज अमेरिका काबिज है!

सच कहूं तो सात समुंदर पार बसा अमेरिका यदि अपनी फूट डालो और राज करो वाली क्षुद्र नीतियों और अभद्र स्वभाव/व्यवहार के बल पर एशिया-यूरोप के देशों पर शासन करना चाहता है तो अब उसके दिन लद गए हैं। उसे ब्रिटिश भूलों से सबक सीखने की दरकार है, क्योंकि 'कूचरा की पारी अंतिम बारी' वाली भारतीय कहावत अब उस पर चरितार्थ होती दिखाई दे रही है। आज वह रूस, चीन, भारत, ईरान आदि सबकी आंखों पर चढ़ चुका है और उसका बचा-खुचा भ्रम बहुत जल्दी टूटने वाला है, जिसकी बौखलाहट उसके कदम दर कदम में दिखाई दे रही है। भारत के प्रति उसका जो विद्वेष भरा रवैया है, शायद वही उसकी ताबूत की अंतिम कील बन जाए। वह पाकिस्तान को भड़काकर भारत को कमजोर नहीं कर सकता, बल्कि भारत यदि अपने पर आ गया तो एशिया-यूरोप से उसके पांव उखड़ते देर नहीं लगेंगे। क्योंकि रूस-चीन-उत्तरकोरिया-ईरान-इराक़-सीरिया आदि उससे पहले से ही खार खाए बैठे हैं।

जहां तक भारत-अमेरिका सम्बन्धों की बात है तो यह कहना गलत नहीं होगा कि भारत-अमेरिका सम्बन्ध एक अस्वाभाविक दोस्ती है, जिसमें छल-प्रपंच की बू आती है। जबकि भारत-रूस सम्बन्ध एक स्वाभाविक मित्रता है, जो वक्त की कसौटी पर शत-प्रतिशत खरा उतरा है। कभी अमेरिका और सोवियत संघ, और अब अमेरिका व चीन, अमेरिका एवं रूस के पारस्परिक वैश्विक महत्वाकांक्षा भरे रिश्तों में गुटनिरपेक्ष देश भारत की अहमियत प्रारंभ से यही रही है कि उसका झुकाव जिधर होगा, उसका पलड़ा सदैव भारी होगा। लेकिन जहां रूस ने भारतीय गुटनिरपेक्षता को बेझिझक स्वीकार किया, वहीं अमेरिका द्वारा भारत को अपने पाले में खींचने और फिर स्वभाववश दगाबाजी करने की जो हड़बड़ाहट दिखाई जा रही है, इस आशय की डील अविलंब करने का जो वैश्विक दबाव बनाया जा रहा है और इसी प्रक्रिया में अमेरिकी वयोवृद्ध राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप द्वारा जो घिनौनी बयानबाजी की जा रही है, उससे भारत का बाल भी बांका होने वाला नहीं है।

यदि अमेरिका-चीन को भ्रम है कि वे पाकिस्तान, बंगलादेश, श्रीलंका, मालदीव, नेपाल, म्यांमार आदि को उकसा कर भारत की तरक्की की राह में रोड़े अटकायेंगे, भारतीय उपमहाद्वीप में अशांति फैलाकर हथियारों की बिक्री बढ़ाएंगे तो यह उनका दिवास्वप्न है। 'अमेरिकी आतंकवाद' और 'चीनी नक्सलवाद' से या इस्लामिक चरमपंथ से जितनी क्षति पहुंचाई जा सकती थी, वह पहुंचाई जा चुकी है। लेकिन अब पीएम नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह द्वारा जो चुन चुन कर हिसाब लिए जा रहे हैं, उससे अमेरिका-चीन की बौखलाहट भी समझने लायक है। जबकि पाकिस्तान प्रेमी अरब-एशियाई देशों द्वारा भारत के इस्लामीकरण की कोशिशें भी दम तोड़ चुकी हैं। ऐसे में जब भारत ऑपरेशन सिंदूर की तरह अगला पलटवार करेगा तो अमेरिका-चीन को भारतीय उपमहाद्वीप में मुंह छिपाने की जगह भी नहीं मिलेगी।

अमेरिका को यह समझना होगा कि भारत, ग्रेट ब्रिटेन नहीं है जिससे मित्रता कर अंतरराष्ट्रीय पैमाने पर पीछे धकेल दिया जाए। द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान अमेरिका ने ग्रेट ब्रिटेन के साथ यही तो किया। जहां इंग्लैंड की अंतरराष्ट्रीय दुनियादारी में तूती बोलती थी, वहीं द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद अमेरिका की बोलने लगी। द्वितीय विश्वयुद्ध में अमेरिका- सोवियत संघ (रूस व उसके 14 पड़ोसी देश) साथ थे। लेकिन विश्वयुद्ध खत्म होते ही अमेरिका ने यूरोप को दो फाड़ कर दिया और इंग्लैंड, फ्रांस, जर्मनी, इटली जैसे बड़े देशों को उसके खिलाफ कर दिया। फिर लंबे चले अमेरिका-सोवियत संघ शीत युद्ध के दौरान 1989 आते आते सोवियत संघ को भी छिन्न-भिन्न करवा दिया। हालांकि, तीन दशक बाद जब रूस ने अपने खोए हुए गौरव को प्राप्त कर लिया, तब उसे अमेरिका-यूरोप के नाटो देशों ने यूक्रेन में उलझा दिया, जिससे साढ़े तीन वर्षों से भीषण युद्ध जारी है।

वहीं, अपनी वैश्विक बादशाहत बनाए रखने के लिए अमेरिका ने एशिया महादेश में भी कई बड़े गेम खेले। उसने एशियाई अरब देशों के खिलाफइजरायल को भड़काया और उसे अपना पूर्ण सहयोग दिया। भारत के खिलाफपाकिस्तान को भरपूर समर्थन दिया। चीन-भारत के बीच तिब्बत मुद्दे को हवा दी। अफगानिस्तान में रूस का अवरोधक बनने के लिए तालिबान पैदा किया। कश्मीर हासिल करने के लिए आतंकवाद पैदा किया। इससे अमेरिकी हथियार व ड्रग्स कारोबार में भारी मुनाफा हुआ। लेकिन रूस के खिलाफजिस चीन को अमेरिका ने प्रश्रय दिया, अब वही उसके लिए भष्मासुर बन चुका है। अमेरिकी शह पर मुस्लिम देश भी दो फाड़ हो चुके हैं।

यही वजह है कि अमेरिका विगत 25 वर्षों तक भारत को अपने पाले में खींचने के लिए ढेर सारे वैश्विक प्रयास किए। स्वभाव से विनम्र प्रधानमंत्री अटलबिहारी बाजपेयी और पीएम डॉ मनमोहन सिंह तो अमेरिकी चक्रव्यूह में फंस गए, लेकिन स्वभाव से तेज तर्रार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऐसी वैश्विक चालें चलीं कि अमेरिकी चतुराई की सारी हवा निकल गई। उन्होंने उसकी कैपिटलिस्ट अर्थव्यवस्था, जिसे टेररिस्ट अर्थव्यवस्था भी समझा जाता है, की ऐसी बखिया उधेड़ी कि आज वह बाप-बाप चिल्ला रहा है। जी-7 के ऊपर ब्रिक्स को इतना कद्दावर बनवा दिया कि अमेरिका के पसीने छूट रहे हैं। उसे टेररिस्ट अर्थव्यवस्था इसलिए कहा जाता है कि पाकिस्तान के सहारे दुनिया भर में आतंकवादी पैदा करने, उन्हें वित्तीय मदद देने और फिर उपजी अशांति का लाभ उठाकर अपनी कम्पनियों के हथियार खपाने व ड्रग्स के कारोबार को बढ़ाने का जो खुला खेल फरुखाबादी चलता रहा है, उसका मास्टरमाइंड देश अमेरिका ही है। उसी की छाप उसके अनुगामी चीन पर पड़ी है, जिससे वह ज्यादा परेशान है। वहीं, पीएम मोदी इस बात को नहीं भूले हैं कि यह वही अमेरिका है जिसने गुजरात का मुख्यमंत्री रहते हुए उन्हें अपना वीजा नहीं दिया था और उनके प्रधानमंत्री बनते ही उनकी आवभगत करने लगा। यही वजह है कि पीएम मोदी ने अमेरिका, रूस और चीन जैसे बड़े देशों से सिर्फ उतना ही संपर्क रखा, जितने में कि भारतीय हित सधता रहे। इसलिए उन्होंने गिव एंड टेक डिप्लोमेसी को तवज्जो दी। बिटविन द लाइन्स पर हमेशा अडिग रहे। इससे भारत ने आशातीत तरक्की की और आत्मनिर्भर हो गया। यही बात अमेरिका, रूस, चीन, इंग्लैंड, फ्रांस, जर्मनी, जापान आदि देशों को अखड़ने लगी।

हालांकि रूस-चीन का नेतृत्व तो शांत रहा, लेकिन अमेरिकी नेतृत्व अपनी खीझ छुपा नहीं पाया। अपने पहले कार्यकाल में भारत के साथ दोस्ताना ताल्लुकात रखने वाले डॉनल्ड ट्रंप ने अपने दूसरे कार्यकाल में दुश्मनी की भाषा समझाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़े। ऐसा इसलिए कि आज अमेरिकी रुपया डॉलर और अमेरिकी सेना दोनों का भविष्य खतरे में है। जब रूस-चीनी गठजोड़ उनपर भारी पड़ने लगा तो उन्होंने न केवल अफगानिस्तान से अपनी सेना वापस बुला ली, बल्कि युद्ध नहीं करने की भी दलीलें देने लगे। इससे साफ है कि दुनिया के विभिन्न देशों में जाकर युद्ध करते रहने का आदी बन चुका अमेरिका अब मजबूत पलटवार देखकर आर्थिक व सैन्य पैमाने पर थक चुका है। नाटो में भी मतभेद हो चुके हैं। इसलिए वह हर हाल में भारत को पटाने में जुटा हुआ है। हालांकि, उसकी भाषा दोस्ती वाली नहीं, बल्कि दुश्मनों वाली हो चुकी है, ताकि चीन-पाकिस्तान जैसे उसके पुराने सहयोगी उसके पाले में लौट जाएं और भारत को जबरिया युद्ध में उलझाएं।

सवाल है कि हाल ही में जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि भारत और रूस मिलकर अपनी डेड इकॉनमी को गर्त में ले जा सकते हैं, तो इसके बाद अब बचा क्या है? भले ही उन्होंने भारत पर 25त्न टैरिफ लगाने और रूस के साथ ट्रेड के लिए जुर्माने थोपने की घोषणा करने के बाद यह ताजा बयान दिया, जिसमें उनकी खीझ स्पष्ट दिखाई देती है। बकौल ट्रंफ मुझे परवाह नहीं है कि 'भारत, रूस के साथ क्या करता है। हमने भारत के साथ बहुत कम ट्रेड किया है। उनके टैरिफ बहुत अधिक है। तो फिर सवाल वही कि आखिर इसके लिए प्रयासरत क्यों हैं? अपनी असफलता पर बौखलाहट क्यों दिखा रहे हैं? क्या यह आपके पद और कद को शोभा देता है? शायद नहीं! तभी तो भारत ने करारा जवाब देते हुए कहा कि अमेरिका अपनी चिंता करे, क्योंकि हम तो अगले कुछ ही साल में ही दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएंगे। उसके बाद अमेरिका-चीन से सीधा होड़ करेंगे, यह बात उसने कही नहीं, बल्कि समझी जा सकती है। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि हम दुनिया की पांच बड़ी अर्थव्यस्था में से एक हैं। गुरुवार को संसद में केंद्रीय कॉमर्स मिनिस्टर पीयूष गोयल ने कहा कि राष्ट्रीय हितों को सुरक्षित करने के लिए सभी जरूरी कदम उठाएंगे। उन्होंने जोर दिया कि एक दशक से भी कम समय में भारत पांच कमजोर अर्थव्यवस्थाओं से निकलकर दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बन गया है। भारत अपने सुधारों, किसानों, एमएसएमई और उद्यमियों की मेहनत से शीर्ष पांच अर्थव्यवस्थाओं में से एक बना है। अब हम तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर हैं।

जहां तक डेड इकॉनमी की बात है तो अमेरिकी राष्ट्रपति यहां भी हवाबाजी कर गए। विशेषज्ञों का मानना है कि भारत की अर्थव्यवस्था पर खींझ भरी टिप्पणी करके हवाबाज़ी कर गए ट्रंफ़ क्योंकि इंडिया डेड इकॉनमी नहीं है। इंडिया को लेकर अबतक हुईं अंतरराष्ट्रीय रेटिंग्स में भी भारत के तेज ग्रोथ की बात कहीं गई है। ऐसे में सवाल उठता है कि अब भले ही ट्रंफयह बताना चाहते हैं कि रूस और भारत का कोई फ्यूचर नहीं है। लेकिन जहां तक भारत की बात है तो वर्ल्ड बैंक सहित हर वैश्विक संस्थाएं मान रही हैं कि भारत इस समय दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था है। इसकी ग्रोथ रेट 6.5त्न के आसपास है। इसलिए भारत को डेड इकॉनमी कहना सही नहीं है, बल्कि यह पूर्वाग्रह प्रेरित बातें हैं।

शायद ऐसा करके ट्रंप हवाबाजी कर गए। क्योंकि आईएमएफ कह रहा है कि भारत की जीडीपी ग्रोथ 6.4त्न है। यह दुनिया में सबसे ज्यादा है। हमारे यहां इफ्लेशन अमेरिका से कम है। कर्ज के मामले में भी भारत की स्थिति अमेरिका से कही बेहतर है। उन्हें यह भी पता होना चाहिए भारत में इंफ्लेशन अमेरिका से कम है। भारत की जीडीपी ग्रोथ रेट दुनिया में सबसे ज्यादा है। कर्ज में अमेरिका से भारत बेहतर हाल में है। बैंकरप्सी का रिस्क अमेरिका में है, भारत में नहीं। अमेरिका में डॉलर के अवमूल्यन का चांस ज्यादा है। इससे अमेरिका बौखलाहट भरी बातें कर रहा है। उन्हें यह भी पता होना चाहिए कि इंडियन इकॉनमी निर्यात आधारित नहीं है। जीडीपी के लेवल पर अमेरिका को निर्यात 2त्न के करीब है। इसमें कुछ कमी भी हो तो जीडीपी पर मामूली असर होगा। इसलिए ट्रंप की प्रेशर पॉलिटिक्स को व्यापार पर बातचीत में ठीक से हैंडल करना होगा। यह बात भारतीय नेतृत्व को पता है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पाक से डील की बात की और भारत को 'डेड इकॉनमी' बता दिया। सवाल है कि इससे स्ट्रैटेजिक तौर पर अमेरिका-पाकिस्तान संबंध कुछ मजबूत भले हो जाए, लेकिन इंडियन इकॉनमी के लिए यह दिक्कत की बात नहीं है। हां, इससे चीन-पाकिस्तान के रिश्तों की तल्खी बढ़ सकती है। क्योंकि ट्रंफ पाकिस्तान में बड़े ऑयल रिजर्व डिवेलप करने की बात कर रहे हैं। शायद बलूचिस्तान में। यहां पहले से ही अशांति है। यह काम भी आसान नहीं होगा। असल बात पाकिस्तान में चीन को रिप्लेस करने की यह अमेरिकी कोशिश है।' यह ठीक है कि भारत के ब्रिक्स सदस्य होने को लेकर अमेरिका ने उसे अपना विरोधी बताया है। इसलिए भारत और अमेरिका के व्यापारिक रिश्तों में तनाव आ सकता है, खासकर तब जब अमेरिका खुलकर पाकिस्तान में निवेश कर रहा है।

सवाल है कि इसके पीछे अमेरिका की रणनीति क्या है? तो जवाब यही होगा कि यह डील ऐसे वक्त पर हुई है जब अमेरिका, चीन और रूस के प्रभाव को एशिया में संतुलित करना चाहता है। इसलिए पाकिस्तान के साथ रणनीतिक साझेदारी अमेरिका को दक्षिण एशिया में ऊर्जा और व्यापार के गए रास्ते खोलने में मदद कर सकती है। अंतरराष्ट्रीय मामलों के जानकार बताते हैं कि 'रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद भारत और चीन ने रूस से बड़ी मात्रा में तेल आयात किया है। ट्रंप अगर पाकिस्तान में रिफाइनरी डिवेलप करने में मदद करें, तो देखना होगा कि वहां से किस प्राइस पर और कहां निर्यात होगा? अगर ग्लोबल डिमांड पटती है और दुनिया में एक बड़ी रिफाइनरी जुड़ती है तो इससे प्राइस पर असर पड़ेगा। इसका इनडायरेक्ट प्रभाव भारत पर आ सकता है। तो क्या भारत के लिए यह चिंता की बात है? शायद नहीं! क्योंकि ट्रंप का यह बयान ऐसे समय पर आया है, जब कुछ ही घंटे पहले ट्रंप ने भारत पर 25त्न टैरिफ लगाने और रूसी हथियार खरीदने के लिए दंडात्मक कार्रवाई की बात की। लिहाजा, इस समझौते के बाद पाक क्षेत्रीय ऊर्जा केंद्र बनने की कोशिश कर सकता है। ट्रंप ने यहां तक कहा कि कौन जानता है, शायद एक दिन पाकिस्तान भारत को तेल बेचे।

धार्मिक आस्था का उफान भीड़ प्रबंधन पर पड़ता भारी

जयसिंह रावत

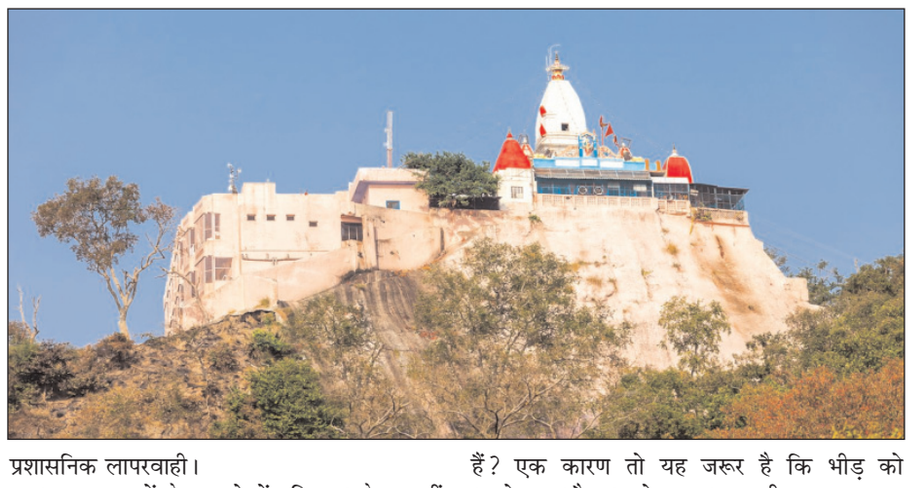

हरिद्वार के प्रसिद्ध मनसा देवी मंदिर में 27 जुलाई को जो कुछ हुआ, वह किसी अप्रत्याशित घटना की तरह नहीं था।

यह हादसा एक बार फिर से उस सच्चाई को सामने लाता है कि धार्मिक आस्था का उफान जब प्रशासनिक विवेक, स्थान की क्षमता और वैज्ञानिक भीड़ प्रबंधन पर भारी पड़ता है, तो आस्था का यह सैलाब त्रासदी में बदल सकता है। उस दिन मंदिर के मुख्य मार्ग की सीढ़ियों पर अचानक भगदड़ मच गई। कहा गया कि किसी ने यह अफवाह फैला दी कि रेलिंग में करंट दौड़ रहा है। नतीजा यह हुआ कि 8 श्रद्धालुओं की मौके पर मौत हो गई और लगभग 30 श्रद्धालु घायल हो गए। यह घटना हमें बताती है कि हम आज भी उन्हीं भूलों को दोहरा रहे हैं जिनका इतिहास दशकों पुराना है।

मनसा देवी मंदिर पहाड़ी पर स्थित एक अत्यधिक लोकप्रिय शक्तिपीठ है, जहां सावन और नवरात्र जैसे पर्वों पर श्रद्धालुओं की भीड़ कई गुना बढ़ जाती है, लेकिन इस भीड़ को नियंत्रित करने के लिए जो व्यवस्था होनी चाहिए, वह अक्सर उतनी ही कमजोर साबित होती है जितनी कि श्रद्धा प्रबल। यह पहली बार नहीं है जब हरिद्वार में ऐसा हुआ हो। इससे पहले 1986 के कुंभ मेले की भगदड़ में लगभग 200 लोगों की मृत्यु हुई थी। 2011 में हर की पैड़ी पर भी एक भगदड़ में 20 लोग मारे गए थे। इसी प्रकार 8 नवम्बर 2011 को ही शांतिकुंज के एक कार्यक्रम में भी भगदड़ में 20 श्रद्धालुओं की मौत और 30 घायल हो गए थे। इन हादसों का पैटर्न लगभग एक जैसा रहा है, अत्यधिक भीड़, संकरे रास्ते, अफवाहें और प्रशासनिक लापरवाही।

भगदड़ हादसों के मामले में हरिद्वार अकेला नहीं है। देश के अन्य धार्मिक स्थलों पर भी इसी तरह की घटनाएं बार-बार होती रही हैं। 2024 में उत्तर प्रदेश के हाथरस में एक स्वयंभू बाबा के सत्संग में भगदड़ मची, जिसमें 121 लोगों की मृत्यु हो गई थी। 2022 में वैष्णो देवी मंदिर में भी नववर्ष के मौके पर भगदड़ मचने से 12 श्रद्धालुओं की जान गई। 2008 में हिमाचल प्रदेश के नैना देवी मंदिर में चट्टान खिसकने की अफवाह से भगदड़ मची थी जिसमें 162 लोग मारे गए थे। 2023 में रामनवमी के अवसर पर वहीं एक और भगदड़ हुई, जिसमें 36 श्रद्धालु मरे। इसी महीने मध्य प्रदेश के बागेर धाम में गुरु पूर्णिमा महोत्सव के दौरान टेंट गिरने और दीवार ढहने से दो लोगों की मौत हुई। ये आंकड़े महज संख्याएं नहीं, बल्कि व्यवस्थागत असफलताओं के प्रमाण हैं। प्रश्न यह है कि आखिर ये घटनाएं बार-बार क्यों घट रही हैं? एक कारण तो यह जरूर है कि भीड़ को आयोजन और आयोजन स्थल की सफलता का मापदंड माना जाता है। सरकारें और धार्मिक संस्थाएं जितनी अधिक भीड़ जुटा पाती हैं, उसे उतनी ही बड़ी उपलब्धि के रूप में प्रचारित करती हैं।

श्रद्धालुओं की संख्या को लाखों और करोड़ों में गिनाया जाता है, और यह मान लिया जाता है कि आस्था जितनी व्यापक होगी, उतनी ही मान्यता और चढ़ावा भी मिलेगा, परंतु इस मानसिकता में यह भूल जाती है कि किसी भी स्थल की एक सीमा होती है, जिसे कैरीइंग कैपेसिटी कहा जाता है। कैरीइंग कैपेसिटी का अर्थ है किसी स्थल की वह अधिकतम सीमा जहां तक वह पर्यावरणीय, भौगोलिक और संरचनात्मक रूप से भीड़ को सुरक्षित रूप से संभाल सकती है। मनसा देवी मंदिर जैसे स्थलों पर यह सीमा सीमित होती है, सीढ़ियां संकरी हैं, रेलिंग पुरानी हैं, और ऊपर-नीचे आने-जाने का मार्ग एक ही है। ऐसी स्थिति में यदि हजारों की संख्या में लोग एक साथ एक ही दिशा में बढ़ते हैं और अचानक अफवाह या घबराहट फैलती है, तो भगदड़ अवश्यंभावी हो जाती है। प्रशासनिक दृष्टि से देखा जाए तो भारत में अधिकांश धार्मिक स्थलों पर ऐसी स्पष्ट कैरीइंग कैपेसिटी निर्धारित नहीं की जाती और न ही भीड़ को उसी अनुसार रोका जाता है। जब तक यह वैज्ञानिक आधार पर तय नहीं किया जाएगा कि किस पर्व पर किस स्थल पर कितने लोग एक समय में प्रवेश कर सकते हैं, तब तक सुरक्षा सिर्फ भाग्य पर आधारित होगी।

प्रशासन कई बार दावा करता है कि उसने पर्याप्त इंतजाम किए थे, सीसीटीवी कैमरे लगाए थे, पुलिस बल तैनात किया गया था, रूट प्लान तैयार था, परंतु जब हादसा हो जाता है, तो यही व्यवस्थाएं कागजों में ही सीमित पायी जाती हैं। मनसा देवी मंदिर की घटना में भी यही हुआ। एक अफवाह ने समूची व्यवस्था को ध्वस्त कर दिया। दूसरी ओर, धार्मिक संस्थाओं की भूमिका भी सवालों के घेरे में है। कई बार आयोजक भीड़ को लेकर कोई वैज्ञानिक अनुमान नहीं लगाते, न ही किसी प्रकार की पूर्व अनुमति की प्रक्रिया का पालन करते हैं। हाथरस की घटना इसका ज्वलंत उदाहरण है। न आयोजन का कोई नियंत्रण था, न किसी एजेंसी से सहमति ली गई थी, और न ही आपातकालीन प्रबंधन की कोई योजना थी। धार्मिक आस्था को आंकड़ों, भीड़ या प्रचार का माध्यम नहीं, बल्कि विवेक और जिम्मेदारी के साथ जोड़ना होगा। जब तक भीड़ को आयोजन की सफलता और चढ़ावे का पैमाना माना जाता रहेगा, तब तक मनसा देवी, नैना देवी, हाथरस या वैष्णो देवी जैसी त्रासदियां दोहराई जाती रहेंगी।

रोजाना क्यों करना चाहिए महा मृत्युंजय मंत्र का जाप?

सावन का पवित्र महीना चल रहा है और ये पूरा माह भगवान शिव को समर्पित है। इस दौरान भक्त भगवान भोलेनाथ की आराधना करते हैं और उनके मंत्रों का जाप करते हैं। भगवान शिव से जुड़ा है महा मृत्युंजय मंत्र, जिसे बहुत चमत्कारी माना जाता है। सिर्फ धार्मिक नजरिए से ही नहीं बल्कि आपके मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए भी ये बहुत फायदेमंद है। महा मृत्युंजय मंत्र जाप के चमत्कारी हेल्थ बेनिफिट्स के बारे में बताया है। तो आइए जानते हैं इस मंत्र का जाप करने से क्या-क्या फायदे होते हैं।

अकाल मृत्यु और भय से बचाता है

महा मृत्युंजय मंत्र का जाप करने से अकाल मृत्यु का खतरा टल जाता है वहीं किसी भी तरह के भय से भी मुक्ति मिलती है। ये मंत्र एक सुरक्षा कवच की तरह काम करता है, तो व्यक्ति को किसी भी तरह की दुर्घटना और डर से बचाता है।

एकाग्रता बढ़ाता है ये मंत्र

बच्चे हों या बड़े, आजकल एक जगह ध्यान लगाना सभी के लिए चैलेंजिंग हो गया है। अगर आप रोजाना इस चमत्कारी मंत्र का जाप करते हैं, तो आपकी एकाग्रता यानी एक ध्यान लगाने की क्षमता बढ़ती है।

मानसिक और शारीरिक रोगों से बचाव

रोजाना इस मंत्र का जाप करने से मानसिक रोग जैसे एंग्जाइटी, डिप्रेशन, ओवरथिंकिंग और स्ट्रेस दूर ही रहते हैं। वहीं शारीरिक रूप से होने वाले रोग और समस्याओं से भी बचाव होता है।

आत्म सम्मान की भावना को बढ़ाता है

कई लोगों आत्म सम्मान की भावना बहुत कम होती है। इस वजह से अक्सर वो पीछे ही रह जाते हैं। ऐसे लोगों के लिए महा मृत्युंजय मंत्र का जाप करना बेहद फायदेमंद हो सकता है। ये मंत्र आपको अंदर से मजबूत बनाता है और आत्मसम्मान की भावना जगाता है।

आत्महत्या जैसी विचार दूर रखे

कई बार मानसिक तनाव इतना बढ़ जाता है कि लोगों में आत्महत्या जैसे गंदे विचार आने लगते हैं। लोग तरह-तरह से खुद को नुकसान पहुंचाने लगते हैं और कहीं ना कहीं उनमें जीने की इच्छा खत्म सी हो जाती है। ऐसी स्थिति में भी रोजाना शांत मन से महा मृत्युंजय मंत्र का जाप करना बहुत फायदेमंद होता है।

शरीर और मन का पोषण करें

महा मृत्युंजय मंत्र आपको शारीरिक और मानसिक रूप से पोषित करता है। उदाहरण के लिए जिन भी लोगों को अपना वजन बढ़ाना है, उनके लिए ये बहुत फायदेमंद साबित हो सकता है। वहीं जो लोग अपना ज्ञान बढ़ाना चाहते हैं, उनके लिए भी महा मृत्युंजय मंत्र का जाप चमत्कारी साबित होता है।

याददाश्त बढ़ाता है

रोजाना महा मृत्युंजय मंत्र का जाप करने से मेमोरी पावर अच्छी होती है। इतना ही नहीं आप अपने और आसपास की चीजों को ले कर भी और अधिक जागरूक होते हैं।

नींद की गुणवत्ता में सुधार लाए

महा मृत्युंजय मंत्र का जाप करने से नींद की गुणवत्ता में भी सुधार होता है। जिन भी लोगों को बिस्तर पर लेटने के घंटों बाद तक नींद नहीं आती या वो बेचैन रहते हैं, उन्हें महा मृत्युंजय मंत्र का जाप जरूर करना चाहिए।

जीवन का लक्ष्य पता चलता है

डॉक्टर दीक्षा कहती हैं कि रोजाना यदि आप महा मृत्युंजय मंत्र का जाप करते हैं, जो खुद को बेहतर तरीके से समझ पाते हैं। आपको अपने अंदर की क्षमताओं का बेहतर पता चलता है, वहीं आप अपने जीवन के लक्ष्य को भी जान पाते हैं।

शादी-विवाह के मौके पर सबसे सुंदर दिखेगी अनारकली सूट

शादी-विवाह के फंक्शन में भीड़ में सबसे सुंदर और अलग दिखना चाहती हैं तो अनारकली कुर्ते के पहनकर रेडी हो सकती हैं। इन ब्यूटीफुल और अट्रैक्टिव डिजाइन के इन अनारकली कुर्ते की डिजाइन को देखकर स्टिचिंग आइडिया लिया जा सकता है।

अनारकली सूट डिजाइन

शादी के फंक्शन में गेस्ट बनकर जाना हो तो काफी सारी लड़कियां कन्फ्यूज हो जाती है। अक्सर उन्हें समझ नहीं आता कि कौन सी ड्रेस पहनकर अलग और स्टाइलिश दिखा जाए। साथ ही वेडिंग फंक्शन को एंज्वॉय कर सके। तो आप हैवी डिजाइन वाले लहंगे की बजाय अनारकली कुर्ते को पहनें। ये ना केवल ट्रेडिशनल दिखेंगे बल्कि आपके लुक को स्टाइलिश भी बनाएंगे।

मल्टीकलर अनारकली सूट

वेडिंग फंक्शन में ब्यूटीफुल दिखना है तो मल्टीकलर के इस अनारकली सूट को पहनकर रेडी हो सकती हैं। सबसे खास बात कि इस तरह के सूट को ब्राइडल संगीत या मेहंदी जैसे फंक्शन में पहनें तो हट के लुक मिलेगा।

घेर वाले लाइटवेट सूट

अनारकली कुर्ता लेकिन लाइटवेट चाहिए तो इस तरह हल्के सिल्क या सैटिन फैब्रिक के कुर्ते स्टिच करवाएं। ये ब्यूटीफुल दिखने के साथ ही कंफर्टेबल भी लगेंगे।

लाइट पिंक अनारकली सूट

वेडिंग फंक्शन में सबसे सुंदर दिखना है तो इस तरह के डीप वी नेकलाइन अंगरखा डिजाइन के लांग अनारकली कुर्ते को स्टिच करवा सकती हैं।

वनपीस डिजाइन सूट

अनारकली सूट में अलग-अलग डिजाइन आती है। वनपीस डिजाइन का ये सूट ब्यूटीफुल दिखेगा। इसे आप वेडिंग के साथ ही फेस्टिवल्स पर भी पहनकर रेडी हो सकती हैं।

अंगरखा डिजाइन अनारकली सूट

फेस्टिवल्स में अनारकली सूट पहनना है तो इस तरह के अंगरखा डिजाइन के कुर्ते को स्टिच करवाएं। चोकर और हैवी ईयररिंग्स के साथ पेयर कर पहन लेंगी तो सब तारीफ करेंगे।

शार्ट अनारकली कुर्ता

लांग अनारकली कुर्ता नहीं पहनना चाहती हैं तो नी लेंथ के डिजाइन के अनारकली कुर्ते ट्राई करें। ये सूट भी ब्यूटीफुल दिखते हैं।

नी लेंथ अनारकली सूट

अनारकली जरूरी नहीं की पूरा फ्लोर लेंथ हो, नी लेंथ डिजाइन के हैवी गोटा वर्क वाले सूट भी वेडिंग में ब्यूटीफुल लुक देंगे। जैसे ये ब्लू कलर का गोटा वर्क वाला अनारकली सूट और साथ में मैचिंग पैंट अट्रैक्टिव दिख रहा है।

सेहतमंद शिशु के लिए दुरुस्त रखें पेट की सेहत

गर्भावस्था के दौरान एक महिला का शरीर कई बदलावों का सामना करता है। मॉर्निंग सिकनेस से लेकर अटपटी चीजें खाने तक बहुत से नए अनुभव इस दौरान गर्भवती महिला को होते हैं। इन नौ महीनों के दौरान मां के गर्भ में पल रहा शिशु सारा पोषण अपनी मां से ही प्राप्त करता है, इसलिए गर्भवती महिला को पौष्टिक भोजन खाने की सलाह दी जाती है। विशेषज्ञ बताते हैं कि इन नौ महीनों के दौरान गर्भवती महिला के आंतों की सेहत होनेवाले शिशु के विकास को भी प्रभावित कर सकती है, इसलिए गर्भवती महिला के पाचन तंत्र का दुरुस्त रहना बहुत आवश्यक है।

क्यों जरूरी है दुरुस्त पाचन तंत्र

गर्भावस्था के दौरान गैस, अपच और खट्टी डकार जैसी पाचन संबंधी समस्याएं होना आम बात है, लेकिन समय रहते सही निदान न होने पर इसका प्रभाव अजन्मे शिशु की सेहत पर भी पड़ सकता है। गर्भवती महिला के शरीर में होनेवाले हार्मोनल परिवर्तन पाचन संबंधी परेशानियों को बढ़ा देते हैं। ऐसा होने पर गर्भाशय को शिथिल कर देनेवाला प्रोजेस्टेरोन नामक हार्मोन पेट की मांसपेशियों को भी शिथिल कर देता है, जिससे पाचन तंत्र सुस्त पड़ जाता है। इसके अलावा शिशु का बढ़ता आकार भी गर्भाशय को पेट पर दबाव डालने के लिए मजबूर करने लगता है, जिसकी वजह से सीने में जलन, पेट फूलना, कब्ज और एसिडिटी जैसी परेशानियां होने लगती हैं। ऐसा होने पर शरीर आयरन और कैल्शियम जैसे महत्वपूर्ण पोषक तत्वों सहित अन्य पोषक तत्त्व भी पर्याप्त मात्रा में ग्रहण नहीं कर पाता है।

पर्याप्त मात्रा में फाइबर का सेवन

एक गर्भवती महिला को रोजाना 25 से 30 ग्राम फाइबर की जरूरत होती है। इस जरूरत को पूरा करने के लिए अपने आहार में साबुत अनाज, दालें, बीन्स, हरी पत्तेदार सब्जियां जैसे पालक, सेब, केला और संतरा शामिल करें। इससे भरपूर मात्रा में फाइबर तो मिलेगा ही, साथ ही पाचन के लिए महत्वपूर्ण गुड बैक्टीरिया में भी बढ़ोतरी होगी।

पानी पिएं खूब

शरीर में पानी की कमी न होने दें क्योंकि पानी पेट को सक्रिय रखता है। एक दिन में कम से कम दो से तीन लीटर पानी जरूर पिएं। साथ ही नारियल पानी, छाछ, नीबू पानी और सत्तू जैसे पेय पदार्थों का सेवन भी अवश्य करें।

न भूलें प्रीबायोटिक्स

यह एक खास प्रकार का फाइबर होता है,जो आंतों में मौजूद गुड बैक्टीरिया को पोषण देता है। लहसुन, प्याज, ओट्स, शतावरी और केले में यह भरपूर मात्रा में पाया जाता है। इन खाद्य पदार्थों को अपने आहार में नियमित रूप से शामिल करें।

डिब्बाबंद खाद्य पदार्थों से दूरी

प्रोसेस्ड फूड या प्रसंस्कृत आहार में चीनी, नमक, संतृप्त वसा और प्रिजर्वेटिव्स की अत्यधित मात्रा होती है। ऐसी चीजों का अत्यधिक सेवन आंतों के माइक्रोबायोम के संतुलन बिगड़ देता है। बर्गर, पिज्जा, नूडल्स, कोल्ड ड्रिंक्स, चिप्स और कुकीज जैसी चीजों के सेवन से परहेज रखने में ही भलाई है।

घर के बने ताजे भोजन का सेवन

गर्भावस्था में अक्सर बहुत खट्टा या तीखा खाना खाने का मन करता है। ऐसा भोजन स्वादिष्ट तो लगता है, लेकिन रोजाना खाने से पाचन संबंधी समस्याएं पैदा कर सकता है, इसलिए नियमित रूप से घर पर बने ताजे और आसानी से पचनेवाले भोजन का ही सेवन करना चाहिए। लौकी, तुरई, टिंडे जैसी सब्जियां हल्की होने के साथ-साथ पेट को ठंडक भी पहुंचाती हैं। इस बात का भी खयाल रखें कि भोजन ताजा ही बना हो क्योंकि बासी खाना अपच और गैस की समस्या पैदा कर सकता है।

काटने के तुरंत बाद ना बनाएं ये सब्जियां

सब्जी स्वादिष्ट तभी बनती है, जब छोटी-छोटी चीजों का ध्यान रखा जाए। उदाहरण के लिए, सब्जी की कटिंग का ध्यान रखना भी बेहद जरूरी है। दरअसल कुछ ऐसी सब्जियां हैं, जिन्हें काटने के तुरंत बाद नहीं बनना चाहिए। ऐसा करने से सब्जियों की कड़वाहट बढ़ सकती है या फिर उनका टेस्ट और टेक्सचर भी खराब हो सकता है। इन सब्जियों को काटने के बाद कुछ देर के लिए रखना जरूरी होता है। आइए जानते हैं, ऐसी ही कुछ सब्जियों के बारे में।

करेला :- करेले की कड़वाहट को कम करने का सबसे आजमाया हुआ तरीका यही है कि इसे काटकर थोड़ी देर के लिए रख दिया जाए। कटे हुए करेले में हल्का नमक मिलाकर कुछ देर रखने से करेले की कड़वाहट कम हो जाती है। वहीं अगर आप तुरंत काटकर करेला बना लेती हैं, तो इससे सब्जी बहुत ज्यादा कड़वी लग सकती है।

भिंडी :- भिंडी को भी काटने के बाद कुछ देर के लिए रख देना चाहिए। दरअसल भिंडी में एक चिपचिपा पदार्थ होता है, जो उसे काटने के बाद ज्यादा एक्टिव होता है। ऐसे में अगर आप तुरंत भिंडी बनाएंगी, तो वो चिपचिपी बनेगी और स्वाद भी नहीं आएगा। इसकी जगह अगर आप भिंडी को काटकर कुछ देर के लिए ड्राई होने दें, तो कुरकुरी और स्वादिष्ट सब्जी बनकर तैयार होती है।

फूलगोभी:- फूलगोभी को भी काटने के बाद कुछ देर छोड़ देना सही होता है। दरअसल काटने के बाद भी इसमें कीड़े छिपे होने का खतरा रहता है। ऐसे में अगर आप गर्म पानी और नमक में इसे भिगोकर रखती हैं, तो ये अच्छी तरह क्लीन हो जाती है। इससे फूलगोभी की कच्ची स्मेल भी चली जाती है।

मूली :- मूली को भी काटने के बाद कुछ देर रखने की सलाह दी जाती है। तुरंत कटी हुई मूली में तेज गंध और गैस वाली हेवीनेस बन सकती है। 10 से 15 मिनट कटी हुई मूली को छोड़ने से उसकी हेवीनेस कम हो जाती है और बैटर टेस्ट मिलता है।

लौकी :- गांवों में लौकी को काटने के बाद कुछ देर के लिए छोड़ दिया जाता है। दरअसल इससे लौकी की कड़वाहट का पता चलता है। 5 से 10 मिनट हवा में छोड़ने से, अगर लौकी का रंग डार्क हो जाता है या उसमें स्मेल आने लगती है, तो इसका मतलब है कि लौकी में कड़वाहट है।

***पत्ता गोभी :-** कई लोग पत्तागोभी की सब्जी बनाने से पहले उसे नमक वाले पानी में भिगोकर रखते हैं। ऐसा इसलिए किया जाता है क्योंकि पत्ता गोभी में छोटे-छोटे कीड़े और धूल-मिट्टी भरी हो सकती है। इसे सही से साफ करने के लिए कुछ देर नमक वाले पानी में रखें। इससे पत्तागोभी का एक्स्ट्रा मॉइश्चर भी निकल जाता है, जिससे परफेक्ट टेस्ट और टेक्चर मिलता है।*

'रोजगार परक शिक्षा पर जोर दिया जायेगा'

मुंबई विश्वविद्यालय से मान्यता प्राप्त मुंबई की 10 सर्वश्रेष्ठ कामर्स कॉलेज में से एक प्रहलादराय डालमिया लायंस कॉलेज को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने उसकी शैक्षणिक गुणवत्ता व क्षमता को देखते हुए स्वायत्त कॉलेज (ऑटोनोमस कॉलेज) का दर्जा प्रदान किया है।

कॉमर्स, एकाउंटेंसी व इकनोमिक्स विषयों के लिए कॉलेज मुंबई विश्वविद्यालय का अधिकृत अनुसंधान केन्द्र है। इस वर्ष कॉलेज, शिक्षा के बेमिसाल 53 वर्ष मना रहा है। कॉलेज ISO 21001:2018 से प्रमाणित शिक्षा संस्थान है। कॉलेज के ट्रस्टी व कर्णधार परिषद के महामंत्री लायन कन्हैयालाल घ. सराफ कहते हैं कि योग्यता व समृद्ध अनुभव वाले 90 कुशल शिक्षक और 45 योग्य शिक्षकेत्तर कर्मचारी 7200 छात्र-छात्राओं के इस समस्त कॉलेज का प्रबंधन सुचारू रूप से चलाते हैं।

कॉलेज के प्राचार्य प्रो. डॉ. डी. एन गंजेवार कहते हैं कि हमारे ट्रस्टी गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा को महत्व देते हैं। इसी कारण हमें राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) में 'ए' ग्रेड प्राप्त हुआ है। एनसीसी के माध्यम से हमारे कई छात्र, जवान बनकर सीमा की रक्षा कर रहें हैं। कई छात्र- छात्राएं गणतंत्र दिवस की राष्ट्रीय परेड़ में भी हिस्सा ले चुके हैं। नये पाठ्यक्रमों की श्रेष्ठता के मानदंड,उद्योगों की जरूरतों को ध्यान में रखकर बनाये जायेंगे। रोजगार परक शिक्षा पर जोर दिया जायेगा। छात्रों को हुन्नर से आत्मनिर्भर बनाने के हर संभव प्रयत्न किये जायेंगे। छात्रों के कंधे पर ही देश का भविष्य है। नई प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने का हर प्रयास, भारतीय मूल्यों की प्रतिष्ठा बरक़रार रखते हुए किया जायेगा।

चुनौतियां कई है, लेकिन लक्ष्य केवल एक है, शिक्षा के क्षेत्र में नई कार्यसंस्कृति को विकसित करना जिसके लिए पूरा प्रबंधन कटिबद्ध है।

संक्षिप्त-खबर

46 किलो गांजा के साथ कार जब्त, आरोपी फरार

बसना(समय दर्शन)। जिले के बसना थाना क्षेत्र में पुलिस ने शुक्रवार रात बड़ी कार्रवाई करते हुए लगभग 46.6 किलो गांजा और एक लग्जरी कार जब्त की है। हालांकि, वाहन चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 20(b) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, बसना थाने के उप निरीक्षक बोधन दीवान अपने दल के साथ गश्त पर निकले थे। जब वे थाना के सामने शासकीय वाहन को खड़ा कर रहे थे, तभी हरियाणा नंबर की एक कार पुलिस को देखकर तेजी से खेमड़ा तालाब रोड की ओर भागी। संदेह होने पर पुलिस ने उसका पीछा किया। थोड़ी दूरी पर आरोपी कार छोड़कर अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया।

वाहन की तलाशी के दौरान तीन प्लास्टिक बोरी में 46.6 किलो गांजा बरामद किया गया, जिसकी कीमत लगभग 9.20 लाख रुपये आंकी गई है। इसके अलावा आरोपी द्वारा छोड़ी गई कार की कीमत 9 लाख रुपये बताई जा रही है। इस प्रकार कुल 18.20 लाख रुपये की संपत्ति जब्त की गई है।

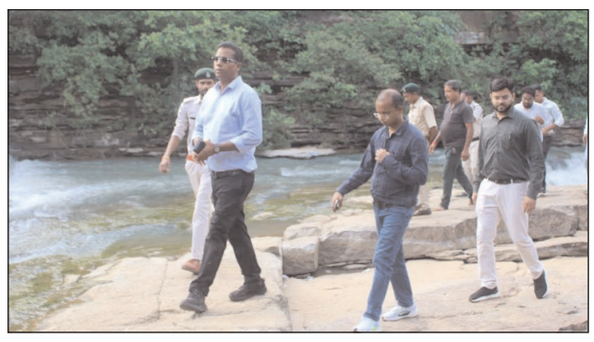

पुलिस ने गांजा को सीलबंद कर फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा है। फरार आरोपी की पहचान और गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम गठित की गई है। पूरे मामले की जांच उप निरीक्षक बोधन दीवान कर रहे हैं। पुलिस अधीक्षक महासमुंद ने कहा है कि नशीले पदार्थों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा और दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा।

मनी ट्रांसफर करने वाला फरार

बिर्रा (समय दर्शन)। आनलाईन सर्विस सेंटर में दस हजार रूपए की मनी ट्रान्सफर करने के नाम पर ठगी करके शख्श फरार हो गया जिसका सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया। इस संबंध में मिली जानकारी अनुसार स्थानीय नगर बिर्रा के जय मां चण्डी मंदिर के पास राजू कश्यप चाल में आनलाईन सर्विस सेंटर में सुबह 9.30बजे एक शख्श आया तथा सर्विस सेंटर में दस हजार रूपए आनलाईन ट्रान्सफर करने के लिए कहा तथा जिसके नाम से दस हजार रुपए ट्रान्सफर करने के लिए श्रीमती रमशिला महेंद्र मेश्राम के नाम पर दस हजार रुपए ट्रान्सफर किया तथा जैसे ही दस हजार रुपए ट्रान्सफर किया तो शख्श ने तीन घंटे तक सर्विस सेंटर संचालक और साथी को विश्वास में रखा रहा इसके बाद इस शख्स ने अपने मोबाईल से बाते करते रहा कि जल्दी रूपए भेज दो कहकर समोसा सर्विस सेंटर को लाकर दिया तथा सर्विस सेंटर संचालक ने भूख नहीं है कहकर समोसा खाने के लिए विवश? कर दिया समय तीन घंटे गुजरने के बाद शख्श ने सर्विस सेंटर संचालक को मोबाइल चार्जिंग करने के लिए दिया और यूरिन करने का रास्ता पूछा तब संचालक ने बाहर से इस शख्स को देखा तथा कुछ ही दूरी जाने के बाद अचानक शख्श गायब हो गया और आनलाईन सर्विस सेंटर संचालक ने खोजबीन किया तो पता नहीं चला इसके बाद आनलाईन सर्विस सेंटर संचालक ने इसकी सूचना पुलिस थाना को दी पुलिस ने मामला सामने आने पर पुलिस चौकन्ना हो गया तब तक कोई पुलिस कुछ कर पाते काफी देर हो चुका था। तथा सीसीटीवी कैमरे फुटेज में साफशक्श का चेहरा दिखाई दे रहा है तथा जिसके नाम से मनी ट्रान्सफर किया है इनके भी प्रिट में नाम दिखाई दे रहे हैं। ऐसे शक्श कही पर दिखाई देने पर तत्काल किसी भी पुलिस थाना में खबर दे ताकि ऐसे ठगी करने वाले शक्श पुलिस के गिरफ्त में हो सके।

स्मार्ट मीटर के बिजली बिल से उपभोक्ता तगड़ा झटका

बिर्रा (समय दर्शन)। ग्रामीण क्षेत्रों में स्मार्ट मीटर के बिजली बिल से उपभोक्ता को तगड़ा झटका लगा है वहीं घरेलू बिजली कनेक्शन में तीस से पैंतीस हजार रूपए बिजली बिल आने से उपभोक्ता खासा परेशान हैं तथा बिजली बिल नहीं जमा करने की बात कह रहे हैं। सरकार ने घरेलू कनेक्शन के लिए स्मार्ट मीटर लगाने के लिए विशेष फोकस रहा है तथा इस स्मार्ट मीटर का काम ग्रामीण क्षेत्र में घरेलू कनेक्शन का काम तेजी से चल रहा है तथा स्मार्ट मीटर लगने के एक माह बाद जब घरेलू कनेक्शन धारी का बिल आने से उपभोक्ताओं का जमीन से पैर खिसक गया। वहीं एक साहू मुहल्ले के उपभोक्ता दूजेराम पटेल का एक माह में तीस हजार रुपए का बिजली बिल आने से इनके होश ही उड़ गए हैं वहीं इतनी बड़ी रकम को पटाने को कहां पटा पाएंगा इसके सामने इनके परिवार की आर्थिक हालत बयां कर रही है वहीं रामखिलावन साहू का तीस हजार रुपए बिजली बिल आया है ऐसे में आम उपभोक्ता को पहले घरेलू कनेक्शन के लिए चार पांच सौ रुपए आने पर किसी तरह व्यवस्था करके बिजली बिल को बड़ी मुश्किल से जमा कर पाते हैं आज स्मार्ट मीटर लगाने से उपभोक्ता के बिल सुनकर दूसरे घरेलू कनेक्शन धारी के होश उड़ रहे हैं।अब ग्रामीण क्षेत्रों के घरेलू कनेक्शन धारी ने अपने घर में स्मार्ट मीटर लगाने के पक्ष में नहीं है तथा लोगों का धीरे धीरे स्मार्ट मीटर लगाने का पुरजोर विरोध होना स्वाभाविक है किन्तु आने वाले समय में स्मार्ट मीटर ग्रामीण क्षेत्रों में कितना असरदार होगा यह बताना लाजिमी नहीं है तथा धीरे धीरे लोगों का स्मार्ट मीटर के प्रति लोगों का कभी भी गुस्सा फूट सकता है जिसका खामियाजा भुगतना पड़ सकता है।

कलेक्टर डॉ कन्नौजे ने गोमर्डा अभ्यारण सहित माड़ोसिल्ली जलप्रपात का किया अवलोकन

माड़ोसिल्ली को सुरक्षा इंतजाम के साथ विकसित करने कलेक्टर ने अधिकारियों से की चर्चा

सारंगढ़ बिलाईगढ़ (समय दर्शन)। जिले की पहचान में शामिल गोमर्डा वन्यजीव अभ्यारण्य के माड़ोसिल्ली क्षेत्र का कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने भ्रमण किया। कलेक्टर ने बरमकेला मार्ग के मल्दा सड़क मार्ग से माड़ोसिल्ली जलप्रपात का आकस्मिक अवलोकन किया। बरसात के इस मौसम में जंगल से लगातार पानी का कलकल आवाज और झरने का झरझर आवाज 100 मीटर की दूरी तक गूंज रहा था। भ्रमण के दौरान कलेक्टर डॉ कन्नौजे ने वहां के नजारे को माड़ोसिल्ली के जल प्रवाह से कुछ दूर स्थित चट्टान पर बैठकर देखा और अपने मोबाइल में शूट किया। कलेक्टर ने वहां के इर्द गिर्द स्थलों का मुआयना किया।मचाननुमा बिल्डिंग के द्वितीय तल पर चढ़कर कलेक्टर डॉ कन्नौजे ने सीईओ जिला पंचायत इंद्रजीत बर्मन, डिप्टी कलेक्टर अनिकेत साहू, सीईओ जनपद पंचायत बरमकेला अजय पटेल, वनकर्मी के साथ माड़ोसिल्ली में किस प्रकार से किसी संभावित दुर्घटना के पूर्व बेरीकेटिंग किया जाए, कहां पर सेल्फी जोन बनाया जाएगा, पगोड़ा बनाने का प्लान, जहां पर्यटक कुछ देर तक आराम करेंगे आदि कई बिंदुओं पर कलेक्टर ने अधिकारियों के साथ चर्चा किया। इसके बाद दिलनुमा (हार्ट) सेल्फी जोन में कलेक्टर ने सेल्फी फोटो खिंचवाई।

कलेक्टर डॉ कन्नौजे ने अपने अधिकारियों के दल के साथ गोमर्डा अभ्यारण्य के लगभग 20 किलोमीटर क्षेत्र का कार से अवलोकन किया। इस दौरान नीलगाय, मोर, वनभैंसा वन में विचरण कर रहे थे। कलेक्टर सहित सभी टीम जिस तरह से वन भैंसा के समूह को देख रहे थे, ठीक उसी तरह वन भैंसा का झुंड कलेक्टर सहित पूरी टीम को खड़े होकर देख रहे थे। कलेक्टर डॉ कन्नौजे ने वन भैंसा पीछे बैकग्राउंड में आए, ऐसा फोटो मोबाइल से खिंचवाए। इस प्रकार मल्दा वाली सड़क मार्ग से कलेक्टर सारंगढ़ जिला मुख्यालय को लौटे। इस दौरान क्षेत्र के सरपंच, सचिव, क्षेत्र के गणमान्य नागरिक मौके पर उपस्थित थे।

मोहित और गौरव का राष्ट्रीय योगासन खेल स्पर्धा में चयन, खिलेश्वरी साहू ने कांस्य पदक जीता

राजनांदगांव (समय दर्शन)। रायगढ़ के ओपी जिंदल यूनिवर्सिटी में गत दिनांक 25 जुलाई से 27 जुलाई तक आयोजित राज्य स्तरीय योगासन खेल प्रतियोगिता बालक वर्ग में नगर के प्रतिभावान और उभरते हुए खिलाड़ी मोहित सोनी और गौरव यादव ने अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक पर अपना कब्जा जमा कर राष्ट्रीय योगासन खेल स्पर्धा के लिए अपनी टिकट पक्की की। साथ ही खिलेश्वर साहू ने कांस्य पदक जीतकर नगर एवं जिले का नाम रौशन किया।

बता दें कि, मोहित सोनी और खिलेश्वर साहू नगर के योग प्रशिक्षक किशोर माहेश्वरी के मार्गदर्शन में नियमित प्रशिक्षण प्राप्त कर योग की बारीकी सीख रहें हैं और उन्होंने उक्त स्पर्धा के लिए कड़ी मेहनत और बेहतर तैयारी भी की थी। इसी का नतीजा है कि, रायगढ़ के ओपी जिंदल यूनिवर्सिटी में आयोजित राज्य स्तरीय योगासन खेल स्पर्धा बालक वर्ग में मोहित सोनी ने अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए फॉरवर्ड बैंड इंडिविजुअल इवेंट में स्वर्ण पदक, गौरव यादव ने ट्रेडिशनल सिंगल इवेंट और बैंक बैंड इंडिविजुअल दोनों में स्वर्ण, खिलेश्वर ने सुपाईन इंडिविजुअल इवेंट में कांस्य पदक और मोहित सोनी और खिलेश्वर साहू ने पुन: आर्टिस्टिक पेयर इवेंट में कांस्य पदक जीता। इस जीत के साथ राजनांदगांव की झोली में कुल 3 स्वर्ण और 2 कांस्य पदक आए। यह पहला अवसर है जब राजनांदगांव की झोली में एक साथ तीन स्वर्ण पदक आए हों। अब मोहित और गौरव आगामी 11 सितंबर से 14 सितंबर को भिलाई शहर में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय योगासन खेल स्पर्धा में अपनी खेल प्रतिभा का जौहर दिखाएंगे। उनकी इस उपलब्धि पर उनके परिवार जनोंए साथी खिलाड़ियों और ईष्ट मित्रों सहित जिला योगासन एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष हेमंत तिवारी और सचिव डोमेंद्र देवांगन ने इस ऐतिहासिक जीत की गर्मजोशी से बधाई दी।

सीएमओ अक्सर रहते हैं मीटिंग में, लोगों की समस्या सुनने वाला कोई नहीं....

होमन सिंह ठाकुर

नगर पालिका परिषद अहिवारा में सफाई चौपट, मोहल्लों में

भरता है बारिश का पानी, गालियों में पसरा रहता है अंधेरा

नंदिनी अहिवारा (समय दर्शन)। नगर पालिका परिषद अहिवारा में लोग सफाई , सड़क, नाली, पानी बिजली जैसी मूलभूत समस्याओं से जूझ रहे हैं। पालिका प्रशासन निरंकुश हो गया है। अधिकारी लोगों की समस्याओं पर ध्यान नहीं देते। नगर पालिका सीएमओ लोगों से मिलते नहीं है। लोगों ने बताया कि समस्या लेकर जाने वालों से वे कहते हैं संबंधित अधिकारी के पास जाओ।

नगर पालिका में सफाई व्यवस्था चरमरा गई है, शिकायत करने के बाद भी सफाई नहीं की जाती। इस बारिश में गंदगी के कारण बीमारी फैलने का खतरा बढ़ गया है। अहिवारा निवासी गोकुल राम साहू, मुकेश यादव, परमेश्वर सिन्हा समेत पालिका कार्यालय में कई लोग अपनी समस्या लेकर आए थे। उन्होंने पत्रिका को बताया कि उनकी समस्या सुनने वाला कोई नहीं है। कई दिन से पालिका कार्यालय का चक्कर लगा रहे हैं। उन्होंने बताया कि बारिश के पानी की निकासी नहीं होने के कारण घरों में पानी भरने लगता है, लेकिन ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

वार्ड एक और दो में जल संकट

पालिका के वार्ड एक और दो में पानी की आपूर्ति चार दिन से ठप है। पानी की आपूर्ति क्यों नहीं की जा रही है, यह भी नहीं बताया जा रहा है। लोगों ने बताया कि सीएमओ अंकुर पांडे से पूछने पर वे संबंधित अधिकारी से पूछने के लिए कहते हैं। इस वार्ड के लोगों ने बताया कि सीएमओ का एक ही जबाव रहता है कि वे दुर्ग कलेक्ट्रेट जा रहे हैं मीड्क्षटग में। उनकी अनुपस्थिति में वहां के कर्मचारी भी रटारटाया यही जबाव देते हैं कि साहब मीटिंग में दुर्ग जिला कार्यालय गए हैं। कभी मिल गए तो उनके कर्मचारी रामू का जबाव होता है साहब अभी मीटिंग में है। लोगों का कहना है कि छोटा कर्मचारी वहीं जवाब देगा जो उसे कहने के लिए कहा गया हो।

अधिकांश स्ट्रीट लाइट बंद , गलियों में अंधेरा

नगर की अधिकांश स्ट्रीट लाइट बंद है। बारिश के समय नगर की सड़कों व मोहल्लों में अंधेरा छाया रहता है। इस ओर भी ध्यान नहीं जा रहा है। लोगों ने बताया कि बिजली की समस्या गंभीर होती जा रही है। अंधेरे में सांप बिच्छु का भय तो रहता ही है चोरी की घटनाएं घटने की आशंका रहती है। पालिका के जिम्मेदार अधिकारियों को इससे कोई मतलब नहीं है। केवल मंत्री विधायक खुश रहे इसी पर उनका ध्यान रहता है। आम जनता से जैसे उनका कोई लेना देना नहीं है।

जानिए क्या कहा सीएमओ ने

सीएमओ अंकुर पांडेय अपने कार्यालय से बाहर निकले। पत्रिका ने उनसे लोगों की समस्याओं के संबंध में सवाल किया तो वे नाराज हो गए। कहा, संबंधिक अधिकारी से पूछो, और बैगर जवाब दिए कार में बैठकर रवाना हो गए।

भाजपा सदस्यता अभियान में उत्कृष्ट योगदान हेतु प्रखर अग्रवाल का मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा सम्मान

सरायपाली (समय दर्शन)। भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश इकाई द्वारा राजधानी रायपुर में आयोजित भव्य कार्यकर्ता सम्मान समारोह के दौरान महासमुंद ज़िले के सरायपाली से भाजपा कार्यकर्ता प्रखर अग्रवाल को प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। संगठनात्मक दृढ़ता और समर्पण का परिचय देते हुए प्रखर अग्रवाल ने अकेले सरायपाली क्षेत्र में दस हजार से अधिक लगभग बारह हजार नए सदस्य पार्टी में जोड़े जो अपने आप में एक मिसाल है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस दौरान कहा कि प्रखर जैसे कार्यकर्ताओं की प्रतिबद्धता और राष्ट्रनिर्माण के प्रति समर्पण ही भारतीय जनता पार्टी की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि भाजपा का सदस्यता अभियान केवल संख्या बढ़ाने वाली पहल नहीं है, बल्कि पार्टी की राष्ट्र प्रथम, अंत्योदय, और सबका साथ, सबका विकास की विचारधारा को जन-जन तक पहुँचाने का माध्यम भी है। इस अवसर पर कार्यक्रम में प्रदेश के उपमुख्यमंत्री अरुण साव विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव सहित पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेता, जिलाध्यक्ष और क्षेत्रीय पदाधिकारी उपस्थित रहे। तथा बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता और समर्थक कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। प्रखर अग्रवाल केवल संगठनात्मक कार्यों में ही नहीं, बल्कि सामाजिक क्षेत्र में भी अपनी सक्रिय भागीदारी के लिए पहचाने जाते हैं।

संगम सेवा समिति के संस्थापक के रूप में उन्होंने सरायपाली में पेयजल संकट के समाधान, वृक्षारोपण अभियान, व्यापारियों के बीच रोजमर्रा की चिल्लर समस्या का समाधान, स्वच्छता जागरूकता अभियान, तथा युवाओं में उद्यमिता को प्रोत्साहित करने जैसे कई रचनात्मक कार्य किए हैं। भाजपा का यह सदस्यता अभियान राष्ट्रीय नेतृत्व द्वारा दिए गए लक्ष्य के अनुरूप पूरे प्रदेश में चलाया गया था, जिसमें सरायपाली जैसे कस्बों और ग्रामीण क्षेत्रों में भी संगठन को मजबूती देने हेतु जमीनी स्तर पर विशेष प्रयास किए गए। प्रखर अग्रवाल ने भाजपा की विचाराधारा, नेतृत्व की कार्यसंस्कृति, केंद्र और डॉ रमन सिंह की 15 वर्षों की जनहितैषी सरकार की लोक-कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आम नागरिकों तक पहुँचाकर आमजन को पार्टी से जोड़ने का कार्य किया। सरायपाली से सामने आए इस युवा कार्यकर्ता की लगन, कार्यकुशलता एवं संगठन के प्रति निष्ठा निश्चित ही भाजपा के उज्ज्वल भविष्य के प्रतीक के रूप में देखी जा रही है।

बिजली कटौती से पानी की समस्या से जूझ रहे लोग बिर्रा के उपभोक्ता

जांजगीर (समय दर्शन)। इन दिनो लाइन की अघोषित कटौती व पानी की किल्लत के साथ ही दोहरा मार झेलने को बिर्रा वासी धीवर मुहल्ला घनवापारा मजबूर हो जा रहे है। विभाग में सुनने वाला कोई नहीं है।बिजली की आंख मिचौली व लो वोल्टेज बढ़ती जा रही है।बिजली के झटके उपभोक्ताओं को परेशान करने लगे है।मजेदार बात यह है कि मोहल्ले के एक तरफ पूरा लाइट रहता है तो दूसरी तरफ आधे उपभोक्ता को लो वोल्टेज से परेशान रहते है दबी जुबान पर लोग कहने लगे हैं कि मोहल्ला को भी अमीरों और गरीबों में बाट दिया गया है। शिक़ायत करने पर सुनने वाला कोई नहीं है। बिर्रा सब स्टेशन में इन दिनों रामराज्य माहौल है अधिकारी भी नहीं रहते है तेरह गांवों के लिए गिने चुने लाइन मेन है लेकिन रात्रि में उपभोक्ताओं का सुनने वाला कोई नहीं है।बिर्रा सब स्टेशन के बिर्रा, देवरानी,सिलादेही,मौहाडीह गत्वा,बोरसी के उपभोक्ता अघोषित बिजली की आंख मिचौली बिजली आपूर्ति की पोल खोल देती है अघोषित कटौती से लोगो को दिन व रात में में चैन नहीं मिल रहा है साथ ही अघोषित कटौती से पानी का संकट भी होते जा रहा है।बढ़ रहे बिजली संकट को लेकर

लोगों में आक्रोश है।दिन ही नहीं बल्कि रात में भी बिजली कट लगने लगे है।इसी के साथ लो वोल्टेज एवं बिजली गुल होने की शिकायतें बढ़ रही है।पिछले कई दिनों से अघोषित बिजली की कटौती हो रही है।बिजली कब आए और कब चली जाए कुछ नहीं कहा जा सकता।बिजली की आंख मिचौली से रोजेदार भी परेशान हो रहे है।लोगों का कहना है लो वोल्टेज के कारण पंखे,कूलर व टीवी ठीक से नहीं चल पा रहे। जिसके कारण सांप, बिच्छू व मच्छर का सामना करना पड़ रहा है और बीमार भी हो रहै है बिजली लोड भी लगातार बढ़ता जा रहा है।इससे भी बिजली की आंख मिचौली बढ़ रही है।हालांकि अधिकारियों का कहना है कि बिजली लोड बढने के साथ ही फाल्ट भी हो रहे है।

तीन माह पहले प्रशासकीय स्वीकृति के बाद भी राशि जनपद से ग्राम पंचायत में आज तक नहीं पहुंची

बलराम यादव

पाटन (समय दर्शन)। जनपद पंचायत पाटन में पूर्व मुख्यमंत्री/विधायक भूपेश बघेल के अनुशंसा से अन्य पिछड़ा वर्ग प्राधिकरण से विकास कार्यों की प्रशासकीय स्वीकृति आदेश 29/04/2025 को जनपद पंचायत पाटन को मिली थी। राशि स्वीकृति होने के बाद ग्राम पंचायत को 3 महीने से अधिक समय बाद भी राशि नहीं मिली है। विकास कार्यों की बाट जोह रहे पंचायत प्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों में हताश और निराश है।

गौरतलब हो कि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की अनुशंसा से ग्राम पंचायत सेलूद, सोरम, साकरा, बेलौदी, मुड़पार, फेकारी,फुंडा, गोड़पेंडरी, चुनकट्टा, जमराव में लाखों रुपए के विकास कार्यों की प्रशासकीय स्वीकृति मिली थी। लेकिन राशि आज तक इन ग्राम पंचायतों तक नहीं पहुंची है। क्या ये अधिकारियों की लापरवाही है या सत्ता पक्ष के दबाव के कारण राशि जारी नहीं किया जा रहा है।

15 वें वित्त को लेकर जनपद अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का अलग अलग बयान

विगत दिनों एक समाचार पत्र में जनपद अध्यक्ष द्वारा कहा गया था 15 वें वित्त का राशि का वितरण हो चुका है और कार्य योजना बन चुकी है। सांसद प्रतिनिधि के कहने पर बैठक कि तारीख आगे बढ़ाई गई है। वहीं उपाध्यक्ष कमलेश वर्मा ने बताया था कि 15 वें वित्त की राशि अभी तक जनपद को प्राप्त नहीं हुआ है। इसी कारण वितरण नहीं हुआ है। कार्य योजना बनकर तैयार है।

जनपद सीईओ नहीं उठा रहे फोन

अन्य पिछड़ा विकास प्राधिकरण से प्रशासनिक स्वीकृति के बाद भी ग्राम पंचायतों को राशि जारी नहीं करने के सम्बंध में जानकारी लेने जनपद पंचायत पाटन के मुख्यकार्यपालन अधिकारी जागेंद्र साहू से लगातार उनके मोबाइल में संपर्क किया गया लेकिन उन्होंने काल रिसीव नहीं किया। कांग्रेस समर्थित जनपद सदस्य दिनेश साहू, आनंद बघेल,रश्मि वर्मा,उर्वशी वर्मा, शैलेन्द्र साहू, दीपमाला जैन,अजय साहू ने कहा जनपद पंचायत में अधिकारियों की मनमानी चल रही है। इस परिपेक्ष में जनपद पंचायत पाटन की सामान्य सभा की बैठक में प्रमुखता से मुद्दा उठाया गया था,लेकिन जनपद अध्यक्ष,उपाध्यक्ष एवं अधिकारियों की लापरवाही के कारण आज तक विकास कार्यों पर विराम लगा है।

सतनाम मानव कल्याण समिति
गुरुगद्दी गुरुद्वारा खैरासेतगंगा धाम की प्रथम बैठक सम्पन्न

मुंगेली(समय दर्शन)। सतनाम मानव कल्याण समिति, गुरुगद्दी गुरुद्वारा खैरासेतगंगा धाम की नवीन कार्यकारिणी की प्रथम बैठक संपन्न हुई। बैठक की शुरुआत सभी पदाधिकारियों एवं समाजजनों द्वारा परम पूज्य बाबा गुरु घासीदास मंदिर में माथा टेककर, पूजा-पाठ व जयकारों के साथ की गई। समिति के सचिव सुखचंद भास्कर ने बाबा जी का जयकारा लगाकर बैठक का औपचारिक शुभारंभ किया और सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई दी। इसके उपरांत समिति के संरक्षक चन्द्रभान बारमते (पूर्व विधायक) ने उपस्थितजनों को संबोधित करते हुए कहा कि हम सभी को बाबा गुरु घासीदास जी के बताए गए सत्य के मार्ग पर चलना है।उन्होंने मंदिर के आगामी विकास कार्यों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि विवाह समारोह हेतु नवीन भवन, एक बैठक-कमेटी हॉल, सांस्कृतिक मंच और भव्य प्रवेश द्वार का निर्माण शीघ्र किया जाएगा।

खबर-खास

डीएवी पब्लिक स्कूल किरंदुल में अंतर-सदन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन, अग्नि सदन ने जीता प्रथम स्थान

दंतेवाड़ा किरंदुल (समय दर्शन)। डीएवी पब्लिक स्कूल, किरंदुल में 31 जुलाई 2025 को पाठ्यक्रम सहगामी गतिविधियों के अंतर्गत वरिष्ठ वर्ग के विद्यार्थियों के लिए अंतर-सदन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थ प्रतियोगिता का संचालन सीसीए प्रभारी मृणाल कांति देघारिया और कंप्यूटर शिक्षक चंद्रशेखर वर्मा ने किया। चारों सदनों—अग्नि, वायु, आकाश, और पृथ्वी—ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी ज्ञान-क्षमता का शानदार प्रदर्शन किया। अग्नि सदन ने उत्कृष्ट प्रदर्शन के साथ प्रथम स्थान हासिल किया, जबकि वायु सदन ने द्वितीय और आकाश सदन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

विद्यालय के प्राचार्य एस.के. श्रीवास्तव ने विजेताओं को पुरस्कृत किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने इस ज्ञानवर्धक आयोजन की सराहना करते हुए भविष्य में ऐसी प्रतियोगिताओं के लिए शिक्षकों और विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत मुंगेली के 91 हजार से अधिक किसानों को मिली 20वीं किस्त

मुंगेली(समय दर्शन)। किसानों को आर्थिक संबल प्रदान करने वाली प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत आज 20वीं किस्त का भुगतान किया गया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तर प्रदेश के वाराणसी में आयोजित किसान सम्मेलन के माध्यम से वर्चुअली देशभर के किसानों को संबोधित किया।

कलेक्टर कुंदन कुमार के मार्गदर्शन में मुंगेली के करही में कृषि प्रशिक्षण सभाकक्ष में आयोजित जिला स्तरीय कृषक सम्मेलन में 91 हजार 752 पात्र किसानों के खाते में 18 करोड़ रुपये से अधिक की राशि अंतरित की गई।कार्यक्रम में मुंगेली एसडीएम श्रीमती पार्वती पटेल, उप संचालक कृषि तिग्गा, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीकान्त पाण्डेय, उपाध्यक्ष श्रीमती शांति देववरण भास्कर, जनपद पंचायत मुंगेली अध्यक्ष रामकमल सिंह परिहार समेत अनेक जनप्रतिनिधि, कृषि वैज्ञानिक एवं अधिकारी उपस्थित रहे। इसी तरह विकासखंड स्तरीय कार्यक्रम लोरमी और पथरिया में आयोजित किया गया।

मुस्लिम समाज ने दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश, अशोक वृक्ष के लगाये सौ पौधे

राजनांदगांव (समय दर्शन)। एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत मुस्लिम समाज द्वारा ईदगाह मैदान में पौधारोपण किया गया। शहर के गोल बाजार स्थित हनफी मस्जिद कमेटी की जानिब से पौधा रोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। इस आयोजन में अशोक वृक्ष के 100 पौधे ईदगाह मैदान के चारों ओर रोपे गए।

पर्यावरण संरक्षण संवर्धन का संदेश देने के लिए मुस्लिम समाज द्वारा आयोजित वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम में महापौर मधुसूदन यादव, नगर निगम नेता प्रतिपक्ष संतोष पिल्ले, पूर्व महापौर हेमा देशमुख, जामा मस्जिद कमेटी के सदर रईस अहमद शकील, समाजसेवी अंजुम अलवी, एसडीएम खेमलाल वर्मा, हनफी मस्जिद के सदर हाफिज शेख मोहम्मद, पार्षद सतीश मसीह, हेमंत लशकरे, कोतवाली टीआई रामेंद्र सिंह, हाजी रज्जाक बड़गुजर, आमीन हुड्डा, सैय्यद अली अहमद सहित अन्य तिथि शामिल हुए।

पौधारोपण कार्यक्रम में शिरकत करते हुए उपस्थित सभी अतिथियों ने समाज की सराहना करते हुए उपस्थित लोगों को संबोधित किया और वृक्षारोपण के महत्व को बताया। वहीं इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों के साथ समाज के लोगों ने पौधारोपण किया। इस दौरान पौधारोपण को लेकर समाज

के लोगों में खासा उत्साह नजर आ रहा था।

मुस्लिम समाज द्वारा आयोजित इस पौधारोपण कार्यक्रम की सराहना करते हुए महापौर मधुसूदन यादव ने कहा कि वृक्षारोपण के इस अभियान का हर समाज अनुसरण कर रहा है। उन्होंने कहा कि मुस्लिम समाज एक जिम्मेदार समाज है। समाज के लोगों ने पौधारोपण करने के साथ ही इन वृक्षों को संरक्षण देने की बात भी कही है, ताकि यहां वृक्षारोपण शत-प्रतिशत सफल हो सके।

शहर मुस्लिम समाज के अध्यक्ष हाजी रईस अहमद शकील ने पौधारोपण अभियान को लेकर कहा कि बीते कुछ वर्षों में ग्लोबल वार्मिंग तेजी से बढ़ता जा रहा है, जिससे आने वाले समय में काफी समस्या होगी। उन्होंने कहा कि हर समाज और व्यक्ति का दायित्व है कि वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण करें। उन्होंने कहा कि समाज के द्वारा इन पौधों को बड़ा करने इनका संरक्षण भी किया जाएगा। उन्होंने इस अभियान को सफल बनाने और पौधे उपलब्ध कराने के लिए जिला पंचायत सीईओ सुरुचि सिंह का आभार जताया है।

वृक्षारोपण के इस संक्षिप्त कार्यक्रम के आयोजन में हनफी मस्जिद के सेक्रेटरी एडवोकेट मोहम्मद हसन, हाजी सलीम रजा, मोहम्मद इब्राहिम, आबिद बेग, सैय्यद अफजल अली, आफ्ताब अहमद, इमरान बीबा, नासिर जिंदरान, हाजी रसीद भाई, हाजी तनवीर अहमद, हाजी अतहर, हाजी वफीद भाई, हाजी जलालूदीन निर्वाण, असगर अली हासमी, रसीद भाई बेरिंग, हाजी बसीर भाई, हाजी आमीन भाई, हाजी सदरू, हाजी राजा भाई, हसन भाई एडवोकेट, अय्यूब भाई, अहमद रजा, अफजल खान, इमरान बीबा, गोलू बड़गुजर, जावेद भाई, फिरोज भाई, निसार भाई, असलम भाई सहित बड़ी संख्या में समाज के लोगों उपस्थित थे।

संगठन का पुनर्गठन एवं चुनावी रणनीति पर कॉंग्रेस का मंथन

कांग्रेस जनहित के मुद्दों को लेकर सड़क से संसद तक की लड़ाई में जनता के साथ

बसना(समय दर्शन)। बीते दिन रेस्ट हाउस बसना में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार बसना ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के पुनर्गठन को लेकर एक अहम बैठक आयोजित की गई।

इस बैठक में फुलझर क्षेत्र के वरिष्ठ नेता, पूर्व मंत्री एवं पूर्व विधायक राजा देवेंद्र बहादुर सिंह तथा ब्लॉक प्रभारी राजेश जैन प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। बैठक का मुख्य उद्देश्य संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूती देना, नए पदाधिकारियों का चयन करना और आगामी चुनावों की रणनीति तय करना रहा। बैठक में वक्ताओं ने कांग्रेस की विचारधारा को गांव-गांव तक पहुंचाने पर जोर दिया और कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया।

इस मंथन मे कार्यकर्ताओं ने कहा कि, कॉंग्रेस पार्टी सदैव जनहित के मुद्दों को लेकर सड़क से लेकर संसद की लडाई में जनता के साथ खडी रहेगी। बैठक में शामिल नेताओं ने कहा कि संगठनात्मक मजबूती ही आने वाले समय में पार्टी को निर्णायक बढ़त दिला सकती है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि वे जनता के बीच सक्रिय रहकर उनकी समस्याओं को प्रमुखता से उठाएं। इस अवसर पर मुख्य रूप से वरिष्ठ कांग्रेस नेता मनजीत सिंह सलूजा, तौकीर दानी, इश्तियाक खेरानी, तनवीर सईद, मंदाकिनी साहु, विजय साहु, नरेन्द्र साव, नविन साव, खालीद दानी, रज्जू छाबड़ा और महासमुन्द से शिव बघेल, भावना ध्रुव, श्रीमती जयश्री सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मोबाइल छीनकर भागने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

रायपुर (समय दर्शन)। थाना उरला पुलिस ने मोबाइल झपटमारी की घटना को अंजाम देकर फरार हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपियों के कब्जे से वीवो कंपनी का एक मोबाइल जिसकी कीमत लगभग 30,000 है, एवं घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल स्प्लेंडर को भी जब्त किया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, प्रार्थी ने थाना उरला में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि दिनांक 30 जुलाई 2025 को शाम लगभग 6 बजे वह सटरन फेरोलाईस प्रा. लि. कंपनी, उरला से पैदल घर जा रहा था। रास्ते में उसने अपने दोस्त राहुल को कॉल करने के लिए जैसे ही जेब से फोन निकाला, तभी मोटरसाइकिल सवार दो अज्ञात युवकों में से पीछे बैठे युवक ने उसका मोबाइल झपट लिया और दोनों तेजी से भाग निकले। प्रार्थी ने उनका पीछा करने की कोशिश की, लेकिन वे फरार हो गए। झपटा गया मोबाइल वीवो कंपनी का था, जिसमें **Jio** का सिम (मोबाइल नंबर 7909365575) लगा हुआ था और जिसकी कीमत करीब ?30,000 बताई गई।

नगर कांग्रेस कमेटी के तत्वधान में बैठक

नंदिनी अहिवारा (समय दर्शन)। नगर कांग्रेस कमेटी के तत्वधान में जोन अध्यक्ष , सेक्टर प्रभारी, बूथ अध्यक्ष का चयन एवं संगठनात्मक चर्चा की गई बैठक में जिला कांग्रेस दुर्ग ग्रामीण के अध्यक्ष राकेश ठाकुर ने बैठक में संगठन को मजबूत बनाने की बात की एकसाथ मिलकर मंडल सेक्टर बूथ को नए सिरे से गठन कर कांग्रेस पार्टी को मजबूत करने पर चर्चा हुई बैठक में अहिवारा के प्रभारी करीम खान, दुर्गा गजबे अध्यक्ष नगर कांग्रेस कमेटी अहिवारा,कैलाश नाहटा जी,ओनिकुमार महिलाग,झुमुक साहू जी, बलजीत जी,मेहमूद जी,मन्नू यादव,कमलेश साहू,भुवन साहू,हेमंत साहू,केशव महिलांग, नुकिता देवांगन,नागमणि साहू, बिंजु बहादुर, लालेश्वर देवांगन,मनीष बंजारे,राजू यादव,ऋषि यादव, मो कलाम,मंजूषा यादव,आरक्षित तांडी,लेखेंद्र धीवर, सागर शिवारे,हेमलता साहू, भारती साहू, के लक्ष्मण,महेंद्र सेन, परसराम यादव,परदेसी राम साहू,संतोष बाफना,संतोष देवांगन,,संतोष चौहान,खिलावन साहू,अशोक साहू,मुरली कृष्णा,सूर्यकांत वैष्णव, मयंक बंजारे, उमेश बंजारे,त्रिलोक बंजारे, संतरू जागड़े रोहित यादव सन्नी सिंग भारी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे।

किरंदुल में सावन झूला कार्यक्रम का भव्य आयोजन, महिलाओं ने पारंपरिक उत्साह के साथ लिया हिस्सा

किरंदुल (समय दर्शन)। नगर पालिका के प्लेसमेंट श्रमिकों और एमसीसी महिला समूह द्वारा शनिवार को मणिकंचन केंद्र (एसएलआरएम सेंटर) के संयुक्त तत्वावधान में सावन झूला कार्यक्रम का रंगारंग और भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर सैकड़ों महिलाओं ने पारंपरिक परिधानों में सजकर उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया, जिसने सावन के पर्व को सांस्कृतिक जीवंतता से सराबोर कर दिया।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की सदस्य ओजस्वी मंडावी और नगर पालिका अध्यक्ष रूबी शैलेन्द्र सिंह थीं। उन्होंने महिलाओं को सावन की शुभकामनाएं देते हुए उनके सामाजिक और सांस्कृतिक योगदान की सराहना की। ओजस्वी मंडावी ने कहा, ऐसे आयोजन हमारी परंपराओं और लोकसंस्कृति को नई पीढ़ी तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, साथ ही महिलाओं में आत्मविश्वास और सहभागिता को बढ़ावा देते हैं।

महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा में सजकर झूला झूलने, लोकगीत गाने, पारंपरिक नृत्य और खेलकूद जैसी गतिविधियों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। विशेष रूप से आदिवासी परिधानों में सजी महिलाओं की प्रस्तुतियों ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस दौरान मुख्य अतिथियों द्वारा पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया गया।

कार्यक्रम में उपाध्यक्ष बबलू सिद्दीकी, सीएमओ शशि भूषण महापात्र, मंडल अध्यक्ष विजय सोढ़ी, के. सजी, समस्त पार्षदगण, आरसी नाहक, मोहित धवन, अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला अध्यक्ष नजमुल हक, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष शैलेन्द्र सिंह, शालिनी कर्मा, सदानंद साहू, सरस्वती डहरिया, बनमाली हरिजन, ज्योत्सना स्वाइन, राजेश्वरी बेहराथ, एम. सिंधु, सुखदेव पोयम, तपन दास और राजू रेड्डी सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

निधनः हेमबाई साहू

बिर्रा। ग्राम सिलादेही कि प्रतिष्ठित महिला श्रीमती हेमबाई साहू (उम्र 108वर्ष) का निधन 30 जुलाई की शाम हो गया। वे जवाहर साहू एव यज्ञनारायण साहू की दादी थी। मुखाग्नि उनके सुपौत्र मालिक राम साहू ने दी। अंतिम संस्कार में स्वजातीय बंधु सहित बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए।

स्कूली बच्चों को बीमारी और उनके रोकथाम की जानकारी दी गई

सीएमएचओ डॉ निराला सहित स्वास्थ्य की पूरी टीम ने स्कूल में किया स्वास्थ्य जांच

सारंगढ़ बिलाईगढ़, (समय दर्शन)। डॉ संजय कन्नौजे के निर्देशानुसार मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ एफआर निराला के द्वारा बिलाईगढ़ ब्लॉक के हायर सेकेंडरी स्कूल रायकोना के बच्चों को स्वास्थ्य परीक्षण के साथ स्वास्थ्य की जानकारी दी गई।विद्यालय में 3 बच्चों की आयुष्मान कार्ड नहीं बनने की जानकारी मिली। 7 बच्चों में सिकलसेल पॉजिटिव पाए गए। यदि खून की कमी के बचाव को देखे तो अच्छे संतुलित आहार के साथ आयरन गोली की पूरक आहार लेने से ठीक किया जा सकता है। आयरन की गोली 10 वर्ष से 19 वर्ष के बीच जो नीले रंग की होती है। प्रति मंगलवार को प्रार्थना के बाद खिलाई जाती है। गोली नोडल टीचर्स या कक्षा शिक्षक की उपस्थिति में खिलाई जाती है। ऐसे वर्ष में 52 गोली खानी होती है। इस गोली को खाने समय दूध या दूध का बना हुआ सामान 2 घंटे पहले या बाद में न ले या फिर कैल्शियम की गोली साथ में नहीं खानी चाहिए। इससे आयरन की अवशोषण सही नहीं होती। घर में मिलने वाले भोजन को भी संतुलित आहार जिसमें सभी अवयव प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेड, वसा, विटामिन, खनिज लवण तथा पर्याप्त पानी की मात्रा को नियमित ग्रहण करने से रक्त अल्पता या अन्य बीमारियां कम ही होगी।

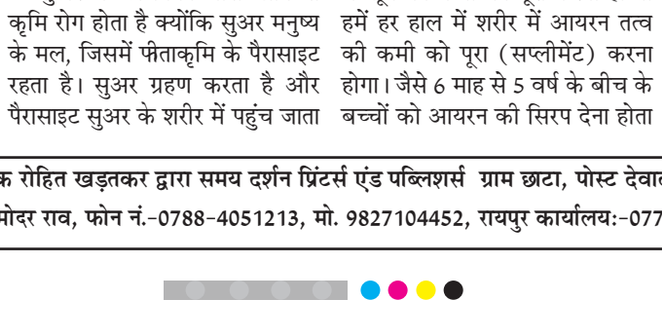

कृमि रोग

यदि खून की कमी के कारण को जांच की जाती है तो पहला कारण होता है कृमि रोग। छोटे बच्चों के नंगेपैर चलने खेलने के कारण पैर से कृमि शरीर में प्रवेश करता है, जबकि बड़े छोटे सब उम्र के व्यक्तियों में कुछ कृमि खाद्य पदार्थ, विशेष कर सब्जी सलाद के माध्यम से शरीर में प्रवेश करता तथा एक कृमि, फीताकृमि इसकी पैरासाइट कुछ समय मनुष्य में एवं कुछ समय सुअर के शरीर में रहता है। इसलिए मांसाहारी को, सुअर के मांस को पर्याप्त मात्रा में पका कर खाना चाहिए।

अधपका मांस से इंसान के शरीर में प्रवेश करता है कृमि

सुअर के अधपका मांस खाने से कृमि रोग होता है क्योंकि सुअर मनुष्य के मल, जिसमें फीताकृमि के पैरासाइट रहता है। सुअर ग्रहण करता है और पैरासाइट सुअर के शरीर में पहुंच जाता है। इस तरह से इनका जीवन चक्र (साइक्लिंग) चलते रहता है। हर स्थिति में कृमि मनुष्य के शरीर के अंतड़ी में पहुंचता है। बड़ा होता है, अपनी संख्या बढ़ाता है।

शरीर में कृमि होने से नुकसान

जिंदा रहने के लिए कृमि मनुष्य के द्वारा ग्रहण किए पोषक तत्वों को ग्रहण करता है तथा मनुष्य का खून पीता है। इस कारण बच्चे या कोई भी उम्र के व्यक्ति के शरीर में खून की कमी होता है। दूसरा, लड़कियों में माहवारी के कारण खून की कमी होती है। तीसरा, सिकलसेल होने के कारण भी खून की कमी होती है। चौथा, किसी भी प्रकार के लंबे समय तक बीमारी होने पर भी खून की कमी होता है। इन सभी स्थितियों में खून की कमी को पूरा करना हो तो हमें हर हाल में शरीर में आयरन तत्व की कमी को पूरा (सप्लीमेंट) करना होगा। जैसे 6 माह से 5 वर्ष के बीच के बच्चों को आयरन की सिरप देना होता है जिसे 1-1 एमएल सप्ताह में दो बार देना होता है। दूसरी कैटिगरी में प्राइमरी स्कूल के बच्चों को जूनियर आयरन गोली (डब्ल्यूआईएफएस) जो पिंक कलर की होती है। इसे प्रति मंगलवार को नोडल शिक्षक के द्वारा मध्यान्ह भोजन के बाद खिलाया जाता है। आयरन गोली खिलाने के पानी अवश्य पीनी चाहिए।

सिकलसेल, टीबी, कुष्ठ रोग की जानकारी

खून की कमी, सिकलसेल के कारण होती है। यह एक आनुवंशिक बीमारी है। आनुवंशिक बीमारी माता और पिता के डीएनए और आरएनए से संतान में होता है। इसके बारे में सीएमएचओ डॉ निराला ने स ब्लॉक बोर्ड में चित्र बनाकर बताया और समझाया गया। स्कूल के बच्चे इसे देख और सुनकर अत्यधित प्रसन्नचित हुए।

सीएमएचओ के द्वारा माहवारी के समय बरते जाने वाले सावधानियों के बारे लड़कियों को अलग से कक्षा में समझाया गया। स्वास्थ्य की चर्चा में एनीमिया, रक्त अल्पता, खून की कमी के कारण, उसकी पहचान, लक्षण, शरीर पर खून की कमी के कारण पड़ने वाले प्रभाव जैसे खून की कमी होने पर आई क्यू कम से कम 10त्न की कमी हो जाना, बच्चों की शारीरिक एवं मानसिक विकास में कमी होना, बच्चों में सीखने, समझने की क्षमता में कमी का होना तथा बच्चों में एकाग्रता की कमी होना प्रमुख फैक्टर है। इसके कारण बच्चे बीमार रहते हैं। स्कूल में उपस्थिति कम होने से बच्चे का रिजल्ट प्रभावित होता है और अंत में जवाब प्राचार्य को देना होता है। इस अवसर पर टीबी, कुष्ठ जांच खोज अभियान के अंतर्गत टीबी और कुष्ठ के लक्षण को बताया गया। सभी बच्चों का परीक्षण किया गया। ऐसे किसी लक्षण का पता लगाने पर अपने मोहल्ला के मितानिन को अवगत करावे। वे जांच कराएंगे।

तंबाकू उत्पाद का आदत छोड़ना आवश्यक

विद्यालय में उपस्थित सभी बच्चों ने प्रश्न के उत्तर में डॉक्टरों ने बताया कि, उनके घर परिवार में कोई न कोई सदस्य है जो तंबाखू का प्रयोग का प्रयोगधुआं सहित बीड़ी सिगरेट या धुआं रहित गुड़ाखू के रूप में लिया जा रहा है जो एक चिंताजनक स्थिति है। काउंसलिंग करके तंबाखू, बीड़ी सिगरेट, गुटखा छुड़ाने के लिए आवश्यक पहल जरूरी है।

इस दौरान प्राचार्य ने कहा कि ऐसी जानकारी इस विद्यालय में किसी अधिकारी के द्वारा पहली बार दी गई है। जानकारी काफी शिक्षाप्रद है और सभी लोगों स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहेंगे। शिक्षक के साथ सभी विद्यार्थियों ने अच्छा अनुभव बताएं। इस अवसर पर लगभग 190 विद्यार्थी की उपस्थिति में सीएचओ डाली साहू, आरएचओ महिला अंजू लहरे, प्रभारी प्राचार्य एल पी साहू, नागेश कोशले, मंजू लता वर्मा, प्रमिला खटकर आदि शिक्षक उपस्थित थे।

चारभाटा का आदर्श आंगनबाड़ी केंद्र बना बाल विकास का उत्कृष्ट मॉडल

मुंगेली(समय दर्शन)। राज्य शासन की बाल विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की जीवंत मिसाल बनकर उभरा है विकासखंड मुंगेली अंतर्गत ग्राम चारभाटा का आदर्श आंगनबाड़ी केंद्र। यह केंद्र आज केवल एक शासकीय संस्था नहीं, बल्कि गाँव के नन्हें बच्चों के समग्र विकास का प्रेरणास्रोत बन गया है। यहाँ बच्चों को नियमित रूप से रेडी-टू-ईट एवं संतुलित पोषक आहार उपलब्ध कराया जा रहा है, साथ ही खेल आधारित शिक्षण गतिविधियों के माध्यम से उनका बौद्धिक, मानसिक और सामाजिक विकास सुनिश्चित किया जा रहा है। शिक्षा में नवाचारों को अपनाते हुए अक्षर ज्ञान, रंगों की पहचान, गिनती, पहेलियाँ, कहानी-वाचन एवं चित्र-पहचान जैसी गतिविधियों को रुचिकर और संवादात्मक रूप में प्रस्तुत किया जाता है। केंद्र की दीवारों पर चित्रकारी, प्रेरक नारे और शैक्षणिक चित्रों के माध्यम से बच्चों को सहज एवं मनोरंजक वातावरण में सीखने का अवसर मिल रहा है। बच्चों की उम्र और रुचि के अनुसार चुनी गई शिक्षण सामग्री, खिलौने और सामूहिक खेल, शिक्षा को खेल का रूप देते हैं, जिससे बच्चे सहज रूप से ज्ञान अर्जित कर पा रहे हैं। आदर्श आंगनबाड़ी केंद्र चारभाटा की पर्यवेक्षक श्रीमती अहिल्या कोशले ने बताया कि आंगनबाड़ी केंद्र में तीन से 06 वर्ष के 28 बच्चे हैं।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता

लोक निर्माण विभाग दुर्ग संभाग, दुर्ग

Fax No. 0788-2210482. Email Id- ee.durg@nic.in, eedurgdivision@gmail.com

// निविदा निरस्तीकरण सूचना //

ज्ञापन क्र. 7966/व.ले.लि./2025-26 दुर्ग, दिनांक 31.07.2025

कृपया उपरोक्त विषयांतर्गत संदर्भित पत्र द्वारा जारी निविदा एन.आई.टी. (**NIT**) क्रमांक 8/व.ले.लि. दिनांक 21/07/2025 में टेंडर **T0049**, आपके द्वारा प्रकाशित **Reference ID No. 252607002833** एवं **Advt No.- 252602332** दिनांक 21.07.2025 को अपरिहार्य कारण से निरस्त किया जाता है।

अतः उक्त निविदा को निरस्तीकरण करने का कृष्ट करें।

कार्यपालन अभियंता
लो.नि.वि. दुर्ग, संभाग दुर्ग

जी नं- 252602550/1

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर,
समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. **CHHHIN/2011/41517** डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2021-23

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में

छत्तीसगढ़ के रेल विकास को मिल रही डबल इंजन की रफ्तार

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

रायपुर-जबलपुर (गाड़ी संख्या 11701/11702) एक्सप्रेस शुभारंभ

पर्यटन, व्यापार और शिक्षा को मिलेगा नया आयाम

16 वर्षों में (2014 से 2030) रेल लाइन का दुगना होगा विस्तार

पिछले 161 वर्षों में (1853 से 2014) तक मात्र **1100 किमी रेल लाइन का हुआ विस्तार**

राज्य में रेल विकास के लिए ऐतिहासिक बजट

- 10 वर्षों में रेल बजट में 22 गुना वृद्धि
- वर्ष 2025-26 में **₹6,925 करोड़** का ऐतिहासिक आवंटन

स्वीकृत नई रेल परियोजनाएँ

- **₹47,447 करोड़** की रेल परियोजनाएँ प्रगति पर
- खरसिया-नवा रायपुर-परमालकसा: 278 किमी – **₹7,854 करोड़**
- गेवरा-पेंड्रा: 155.379 किमी – **₹7448.52 करोड़**
- रावघाट-जगदलपुर: 140 किमी – **₹3,513 करोड़**
- खरसिया-धरमजयगढ़ नई रेल लाइन: 162.5 किमी – **₹3,438.39 करोड़**
- बिलासपुर-झारसुगुड़ा चौथी लाइन: 206 किमी - **₹2,135.34 करोड़** (छत्तीसगढ़: 153 किमी, ओडिशा: 53 किमी)
- उरगा-धर्मजयगढ़: 62.5 किमी – **₹1686 .22 करोड़**
- सरदेंगा-भालमुड़ा: 37 किमी – **₹1,282 करोड़**
- बोरिडांड़-अंबिकापुर डबलिंग: 80 किमी – **₹776 करोड़**
- केंद्री-धमतरी एवं अभनपुर-राजिम गेज परिवर्तन: 67.20 किमी – **₹544 करोड़**
- 37 किमी दुर्ग-रायपुर ऑटोमैटिक सिग्नलिंग – **₹88 करोड़**
- 2014 से अब तक **148 रेल फ्लाईओवर और अंडरपास** का हुआ निर्माण
- छत्तीसगढ़ राज्य में **100% रेल नेटवर्क** का विद्युतीकरण
- अभनपुर-मंदिर हसौद सेक्शन में **नई MEMU ट्रेन सेवा प्रारंभ**
- **1,103 किमी** से अधिक की नई रेल परियोजनाएँ
- बिलासपुर-राजनांदगांव चौथी लाइन: **178 किमी**
- दल्लीराजहरा-रावघाट - **95 किमी**

अमृत भारत योजना अंतर्गत ₹1680 करोड़ की लागत से 32 रेलवे स्टेशनों का का पुनर्विकास

- रायपुर **₹456 करोड़** | बिलासपुर **₹435 करोड़** | दुर्ग **₹463 करोड़**

फाइनल लोकेशन सर्वे (FLS)

- धरमजयगढ़-पत्थलगांव-लोहरदगा: 301 किमी – **₹16,834 करोड़**
- अंबिकापुर-बरवाडीह: 200 किमी – **₹9,718 करोड़**

प्रदेश की 3 करोड़ जनता की ओर से

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी और रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव जी का हृदय से धन्यवाद

हमसे जुड़ने के लिए **QR स्कैन करें**

छत्तीसगढ़ जनसंपर्क | Visit us : /ChhattisgarhCMO /DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in